विश्व हिंदी समाचार

(विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस का त्रैमासिक प्रकाशन)

www.vishwahindi.com

वर्ष: 9 | अंक: 35 | सितंबर, 2016

इनाल्को, पेरिस में अंतरराष्ट्रीय हिंदी संगोष्ठी

14 से 16 सितंबर, 2016 को इनाल्को, पेरिस में भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय हिंदी संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें विश्व के विभिन्न देशों से लगभग 120 प्रतिभागियों ने भाग लिया। भारत, कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, जापान, रूस, बुल्गारिया, पोलैंड, ब्रिटेन, फ्रांस, इटली, जर्मनी, हॉलैंड, अमेरिका, हंगरी, ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, कनाडा, तुर्की, रोमानिया, क्रोएशिया, बेल्जियम, ताजिकिस्तान एवं मॉरीशस से अनेक वक्ताओं ने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

पृ. 2

हिंदी दिवस 2016 : विश्व भर में

प्रतिवर्ष के समान परम्परागत रूप से 14 सितंबर को हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में विश्व भर में महीनों भर हिंदी की गतिविधियाँ आयोजित होती रहीं। भारत के साथ-साथ विश्व के अनेक देशों में हिंदी दिवस अत्यंत रुचि के साथ मनाया गया। भारत और अन्य देशों में हिंदी दिवस के आयोजन की कुछ चयनित रिपोर्ट विश्व हिंदी समाचार के पाठकों के समक्ष प्रस्तुत की जा रही हैं।

पृ. 3-4-5-6-7

डॉ. रघुवीर चौधरी को मिला 51वां 'ज्ञानपीठ पुरस्कार'

11 जुलाई, 2016 को संसद भवन के बालयोगी सभागार, नई दिल्ली में राष्ट्रपति, माननीय श्री प्रणब मुखर्जी ने गुजरात के प्रख्यात लेखक, कवि तथा नाटककार, डॉ. रघुवीर चौधरी को 51वें 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' से सम्मानित किया। भारतीय ज्ञानपीठ की ओर से प्रति वर्ष दिया जानेवाला यह पुरस्कार संविधान की 8वीं अनुसूची में वर्णित 22 भारतीय भाषाओं में लेखन कार्य करनेवाले साहित्यकारों को उनके जीवन भर के साहित्यिक योगदान को देखते हुए दिया जाता है।

पृ. 14

श्रद्धांजलि

पिछले कुछ महीनों में विश्व हिंदी जगत ने डॉ. प्रभाकर श्रोत्रिय, सुश्री महाश्वेता देवी, श्री नीलाभ अश्क, पंडित बृजदेव बेहरदर, श्री प्रेम स्वरूप श्रीवास्तव जैसे हिंदी रत्नों को खो दिया। विश्व हिंदी सचिवालय तथा समस्त हिंदी जगत की ओर से दिवंगत साहित्यकारों को भावभीनी श्रद्धांजलि।

पृ. 15

आगे देखें:

- राजस्थान में कविता कोश द्वारा काव्य गोष्ठी — पृ. 2
- कोपनहेगन विश्वविद्यालय, डेनमार्क में पुस्तक लोकार्पण व हिंदी संध्या — पृ. 11
- लंदन में कविता-संग्रह 'वतन की खुशबु-नेटिव सेंट्स' का लोकार्पण — पृ. 11
- 'मॉरीशस के हिंदी सेवी प्रह्लाद रामशरण' पुस्तक का लोकार्पण — पृ. 11
- श्री जगदीश ओजायेब 'तीर्थराज' कृत 'पराए हुए अपने' पुस्तक का लोकार्पण — पृ. 11
- उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ द्वारा सम्मान समारोह — पृ. 13
- प्रख्यात अभिनेता श्री आशुतोष राणा को 'सयाजीराव भाषा सम्मान' — पृ. 14
- महात्मा गांधी संस्थान, मॉरीशस द्वारा 'आप्रवासी साहित्य सृजन सम्मान' हेतु आवेदन आमंत्रित — पृ. 16

ISSN 1694-2485

इनाल्को, पेरिस में अंतरराष्ट्रीय हिंदी संगोष्ठी

14 से 16 सितंबर, 2016 को इनाल्को, पेरिस में भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय हिंदी संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें विश्व के विभिन्न देशों से लगभग 120 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

14 सितंबर, 2016 को उद्घाटन सत्र के दौरान पेरिस में भारतीय उच्चायुक्त, महामहिम श्री मोहन कुमार अन्ना ने हिंदी के प्रचार-प्रसार में सुगम प्रविधियों के प्रयोग पर ज़ोर दिया तथा सम्मेलन के संयोजक प्रो. घनश्याम ने भाषाओं के समीकरण पर चर्चा करते हुए कहा कि हिंदी की सामासिक भूमिका आज भी कई लोगों के लिए एक चुनौती है। इनाल्को की अध्यक्षा, श्रीमती एमानुएला फ़्रांक ने हिंदी शिक्षण में पूर्ण सहयोग देने की बात की। भारतीय सांसद श्री तरुण विजय ने जनतंत्र की भाषा हिंदी की गरिमा का उल्लेख करते हुए कहा कि लोगों को यह कहना बंद करना चाहिए कि हिंदी की रक्षा करनी है अपितु यदि लोग स्वयं अपनी रक्षा करना चाहें तो हिंदी को अपनाए बिना उनका काम नहीं चल सकता। केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के उपाध्यक्ष प्रो. कमल किशोर गोयनका ने मानक हिंदी के प्रश्न को उठाते हुए शोध के सही मापदंडों पर अपने विचार व्यक्त किए।

प्रथम सत्र के अंतर्गत प्रो. हर्मन ओल्फ़न ने हिंदी सिनेमा के माध्यम से शिक्षण पर अपनी प्रस्तुति की। तत्पश्चात प्रो. एनी मोंतो ने हिंदी अन्विति एवं विभक्तियों पर अपना शोध प्रस्तुत किया। सत्र के अंतर्गत सुश्री माद्री काकोती, अलका अत्रे, प्रो. विजय कौल, अनुशब्द, श्री ज्ञानम महाजन, नोरा मेनिल्कोवा, प्रो. प्रेमलता वैष्णव, डॉ. कुमारदत्त गुदारी, डॉ. कृष्ण कुमार झा, निधि महाजन, प्रो. गाब्रिएला इलियेवा, ज्योति शर्मा, डॉ. वर्षारानी सहदेव, श्री शिव कुमार सिंह, डॉ. रमेश कुमारी आदि ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

मॉरीशस से विशेष, डॉ. कुमारदत्त गुदारी ने ***'हिंदी शिक्षण में सूचना प्रौद्योगिकी एवं मुक्त शैक्षणिक संसाधनों का निर्माण : मॉरीशस से कुछ प्रयोग व अनुभव'*** पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

तीन दिनों की संगोष्ठी में हिंदी शिक्षण के अतिरिक्त हिंदी भाषाविज्ञान तथा हिंदी साहित्य दो अन्य समानांतर सत्र रखे गए जिनमें प्रख्यात रचनाकार, श्री नरेंद्र कोहली, भाषाविद, प्रो. के. के गोस्वामी, प्रो. तेज भाटिया, प्रो. पीटर हूक आदि ने अपने विचारों व शोध पत्रों से सभी को प्रभावित किया। भारत, कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, जापान, रूस, बुल्गारिया, पोलैंड, ब्रिटेन, फ़्रांस, इटली, जर्मनी, हॉलैंड, अमेरिका, हंगरी, ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, कनाडा, तुर्की, रोमानिया, क्रोएशिया, बेल्जियम, तजाकिस्तान एवं मॉरीशस से अनेक वक्ताओं ने शोध पत्र प्रस्तुत किए। संगोष्ठी का समापन काव्य गोष्ठी के साथ हुआ।

डॉ. कुमारदत्त गुदारी की रिपोर्ट

राजस्थान में कविता कोश द्वारा काव्य गोष्ठी

18 सितंबर, 2016 को पारीक भवन, नोहर, राजस्थान में कविता कोश द्वारा काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। समारोह का आरंभ वयोवृद्ध साहित्यकार, श्री दुर्गेश जोशी 'सुगम' ने दीप प्रज्वलन से किया। प्रथम सत्र में श्री शरद सुमन, श्री आशीष पुरोहित और कविता कोश के संस्थापक, श्री ललित कुमार ने श्रोताओं को कविता कोश, गद्य कोश तथा हो रहे सामाजिक प्रयासों के बारे में बताया। दूसरे सत्र के दौरान राजस्थान के प्रसिद्ध रचनाकार, श्री अश्विनी शर्मा के साथ श्री संजय आचार्य वरुण ने ग़ज़ल विधा पर चर्चा की। तीसरे सत्र में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें रूपसिंह राजपुरी, इरशाद अज़ीज़, जगदीश नाथ भादू, पवन शर्मा भादरा, रामस्वरूप किसान, सत्यनारायण सोनी, कैलाश पंडा, अश्विनी शर्मा, संजय आचार्य वरुण और राज बिजारणिया आदि विशिष्ट रचनाकारों ने काव्य पाठ किया। श्री महेंद्र मिश्र, श्री महेंद्र प्रताप शर्मा, डॉ. भरत ओला, श्री रामेश्वर गोदारा, संदीप महिया, डॉ. सतपाल खाती, श्री शिवराज भारतीय, श्री हाकम अली, श्री सुनील शर्मा आदि करीब 200 साहित्य प्रेमियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। समारोह का संचालन श्री ललित कुमार ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन कहानीकार, श्री भरत ओला ने किया।

साभार : कविताकोश, फ़ेसबुक पृष्ठ

मॉरीशस में तुलसी जयंती के उपलक्ष्य में हिंदी दिवस

13 अगस्त, 2016 को हिंदी प्रचारिणी सभा, लोंग माउंटेन, मॉरीशस में तुलसी जयंती के उपलक्ष्य में हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि माननीय श्री नन्द कुमार बोधा, सार्वजनिक मूल ढाँचा थल यातायात मंत्री रहे। विशेष अतिथि डॉ. विनोद कुमार मिश्र, महासचिव, विश्व हिंदी सचिवालय रहे तथा अध्यक्षता डॉ. कुमारदत्त गुदारी, वरिष्ठ व्याख्याता, महात्मा गांधी संस्थान ने की। माननीय श्री बोधा ने अपने वक्तव्य में हिंदी प्रचारिणी सभा का धन्यवाद करते हुए 'साहित्य रत्न' के उत्तीर्ण विद्यार्थियों को पुरस्कृत कर बधाई दी। इसके साथ-साथ डॉ. मिश्र ने तुलसी कृत 'रामचरितमानस' व हिंदी भाषा की प्रासंगिकता पर बात की। डॉ. गुदारी ने ***'बहुआयामी तथा सृजनात्मक हिंदी'*** विषय पर छात्रों को ज्ञानोदित कर ऑनलाइन हिंदी का प्रचार किया। इस अवसर पर महात्मा गांधी संस्थान के कई वरिष्ठ व्याख्याताओं ने मध्यमा तथा कविता-वाचन प्रतियोगिता के 10 प्रथम छात्रों को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर गण्यमान्य अतिथियों ने स्व. श्री अजामिल माताबदल को श्रद्धांजलि देते हुए उनकी स्मृति में 'पंकज' पत्रिका के 50वें अंक का लोकार्पण भी किया। हिंदी प्रचारिणी सभा के सचिव, श्री धनराज शंभु ने मंच संचालन किया व अध्यक्ष, श्री यंतुदेव बुधु ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

विश्व हिंदी सचिवालय की रिपोर्ट

महात्मा गांधी संस्थान, मॉरीशस में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में सप्ताह भर की गतिविधियाँ

महात्मा गांधी संस्थान, मॉरीशस में हिंदी दिवस 2016 के उपलक्ष्य में 5 से 14 सितंबर तक हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया। अंतिम दिन 14 सितंबर को पुरस्कार वितरण व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर माननीया श्रीमती लीला देवी दुकन-लछुमन, शिक्षा व मानव संसाधन, तृतीयक शिक्षा एवं वैज्ञानिक अनुसंधान मंत्री मुख्य अतिथि थीं। समारोह में डॉ. श्रीमती विद्योत्मा कुंजल, कार्यवाहक महानिदेशिका, महात्मा गांधी संस्थान, श्री जयनारायण मीतू, अध्यक्ष महात्मा गांधी संस्थान व रवीन्द्रनाथ टैगोर संस्थान परिषद ने भी अपना संदेश दिया तथा डॉ. श्रीमती संयुक्ता भुवन-रामसारा, अध्यक्षा, हिंदी विभाग ने स्वागत संदेश दिया। तत्पश्चात मंत्री जी तथा विशेष अतिथियों के हाथों पुरस्कार वितरण किया गया। संस्थान ने एच.एस.सी. 2015 की परीक्षाओं में विश्व स्तर पर हिंदी में सर्वाधिक अंक प्राप्त करनेवाले छात्र केशव पराऊ को विशेष सम्मान दिया। हिंदी सप्ताह में भाग लेनेवाले छात्रों तथा 'डॉ. ब्रजेंद्र मंगर भगत 'मधुकर' साहित्य पुरस्कार 2016' के विजेताओं को भी पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर महात्मा गांधी संस्थान के हिंदी विभाग में दीर्घकालीन सेवाओं के लिए सेवानिवृत्त प्राध्यापकों को सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण व सम्मान समारोह के पश्चात कविता प्रतियोगिता तथा नुक्कड़ नाटक के विजेताओं ने क्रमश: अपनी कविताएँ तथा नाटक प्रस्तुत किए। अंत में हिंदी सप्ताह की गतिविधियों पर केंद्रित छात्रों का सूचना पत्र 'युवाज़ - युवा हिंदी की आवाज़' का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री गंगाधरसिंह सुखलाल ने किया।

संस्थान के हिंदी विभाग द्वारा हिंदी सप्ताह के अंतर्गत स्वरचित कविता पाठ, आशुवाक, अंत्याक्षरी, नुक्कड़ नाटक, प्रश्नोत्तरी, श्रुतलेख तथा पोस्टर प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं जिनमें हिंदी विभाग के छात्रों ने रुचि व उत्साह के साथ भाग लिया।

5 सितंबर को सुब्रह्मण्य भारती सभागार में हिंदी सप्ताह का उद्घाटन विशेष अतिथि डॉ. विनोद कुमार मिश्र, महासचिव, विश्व हिंदी सचिवालय, डॉ. श्रीमती संयुक्ता भुवन-रामसारा, हिंदी विभागाध्यक्षा, महात्मा गांधी संस्थान एवं देश के प्रख्यात कवि श्री सूर्यदेव सिबोरत द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। विभागाध्यक्षा ने उपस्थित अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए हिंदी सप्ताह की शुभकामनाएँ दीं तथा छात्रों को गतिविधियों में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया। उद्घाटन समारोह के उपरांत स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता का आरंभ हुआ। इस प्रतियोगिता के लिए निर्णायक मंडल के सदस्य, श्री सूर्यदेव सिबोरत रहे। 24 प्रतिभागियों ने अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कीं। प्रतियोगिता में दिव्या गंगा को प्रथम, विरेश अमृत को द्वितीय तथा आशा हसोवा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। पी.जी.सी.ई. के छात्र तनवीर भान्देरोवा को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। मंच संचालन श्री गंगाधरसिंह सुखलाल एवं डॉ. अलका धनपत ने किया।

7 सितंबर को आशुवाक प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। विशेष अतिथि के रूप में मॉरीशस ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन के समाचार विभागाध्यक्ष, श्री केसन बधू ने प्रतिभागियों का उत्साह-वर्धन किया। एसोसिएट प्रोफ़ेसर, डॉ. राजरानी गोबिन भी निर्णायक मंडल की सदस्या रहीं। इस स्पर्धा में 26 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और तृष्णा मोंगा प्रथम स्थान पर, जया देवी सुकाली द्वितीय स्थान पर तथा अनिष्ठा झरी तीसरे स्थान पर आईं। संचालन डॉ. माधुरी रामधारी तथा डॉ. कुमारदत्त गुदारी ने किया।

8 सितंबर को संस्थान के प्रांगण में अंत्याक्षरी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मॉरीशस ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन के प्रसिद्ध एंकर, श्री विकास गौर विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अंत्याक्षरी में अन्य विभागों के छात्रों ने भी भाग लिया तथा हिंदी विभाग के तृतीय वर्ष की टोली को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। अंत्याक्षरी का संचालन डॉ. विनय गुदारी तथा श्री अरविंद बिसेसर ने किया।

9 सितंबर को नुक्कड़ नाटक का आयोजन हुआ। इंडियन स्टडीज़ कॉम्प्लेक्स के प्रांगण में छात्रों द्वारा नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति हुई। विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित संस्थान की महानिदेशिका, श्रीमती सूर्या गयान ने प्रतिभागियों को प्रोत्साहित कर हिंदी सप्ताह की शुभकामनाएँ दीं। द्वितीय वर्ष के छात्र इस प्रतियोगिता के विजेता बने तथा प्रथम वर्ष के छात्र, राजेश्वर सितोहल को श्रेष्ठ अभिनेता घोषित किया गया। मंच संचालन डॉ. संध्या अंचराज़-नवसाह तथा सुश्री अंजलि चिंतामणि ने किया।

12 सितंबर को संस्थान के भव्य सभागार में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। डॉ. नूतन पाण्डेय, द्वितीय सचिव, भारतीय उच्चायोग विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इस प्रतियोगिता के लिए तृतीय वर्ष के छात्रों की टोली विजेता बनी। मंच संचालन डॉ. अलका धनपत, डॉ. लक्ष्मी झमन तथा श्री गंगाधरसिंह सुखलाल ने किया।

हिंदी सप्ताह के उपलक्ष्य में पोस्टर तथा श्रुतलेख प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया था। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार कृष्टि सेवोराज़ को प्राप्त हुआ। श्रुतलेख प्रतियोगिता के लिए स्नातक छात्रों में शिक्षा धनपत तथा स्नातकोत्तर छात्रों में विरेश अमृत प्रथम स्थान पर आए।

'डॉ. ब्रजेंद्र मंगर भगत 'मधुकर' साहित्य पुरस्कार 2016' के लिए हिंदी कविता लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इस प्रतियोगिता में 3 वर्गों में प्रथम स्थान पर शिवदीन प्रेनुषा, जिबोधन प्रियदर्शिनी व धन्नारायण जीऊत आए।

आभार : 'युवाज़ -युवा हिंदी की आवाज़'

हिंदी दिवस 2016 : विश्व भर में

अश्क़ाबात, तुर्कमेनिस्तान

21 सितंबर, 2016 को भारतीय दूतावास, अश्क़ाबात द्वारा हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता राजदूत, महामहिम डॉ. टी. वि. नगेंद्र प्रसाद ने की। इस अवसर पर वाद-विवाद, कविता-वाचन, निबंध-लेखन व प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं के साथ ही तुर्कमेन छात्रों और दूतावास अधिकारियों के बीच एक संवादात्मक सत्र का आयोजन किया गया। डॉ. प्रसाद ने तुर्कमेन विद्यार्थियों के हिंदी बोलने और समझने की क्षमता की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में हिंदी छात्रों को पुरस्कृत किया गया। समारोह में डॉ. दीपक नरेश, हिंदी अध्यापिका सुश्री गुलनारा, हिंदी प्रेमियों, कर्मचारियों तथा तुर्कमेन हिंदी विद्यार्थियों ने भाग लिया।

साभार : भारतीय दूतावास अश्क़ाबात, तुर्कमेनिस्तान का वेबसाइट

शिकागो

3 सितंबर, 2016 को हिंदी लवर्स क्लब के आशियाना बैंक्वट भवन तथा विश्व हिंदी प्रतिष्ठान, शिकागो के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी भाषा की समृद्ध धरोहर के प्रति विश्व भर में जागरूकता उत्पन्न करने हेतु हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। 6ठे हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में अध्यक्ष, विनीता गलबनी ने बताया कि कैसे हिंदी लवर्स क्लब ने कुछ ही वर्षों में एक छोटे प्रबंध समिति का गठन कर हिंदी ज्ञान, संवाद, भाषण व सांस्कृतिक कार्यक्रमों से बच्चों व वयस्कों की सहभागिता को प्रोत्साहित किया। शिकागो में भारत के महावाणिज्यदूत, महामहिम श्री औसफ़ सईद तथा उप-वाणिज्यदूत, श्री ओ.पी. मेना ने हिंदी की व्यापकता पर बल दिया। समारोह के दौरान 6 से 12 वर्षीय बच्चों के लिए *'आप बड़े होकर क्या बनना चाहते हैं और क्यों?'* शीर्षक पर आधारित निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसके लिए उनको पुरस्कृत भी किया गया। इसके साथ-साथ कवि सम्मेलन भी आयोजित किया गया। समारोह का समापन नृत्य व संगीत से हुआ।

साभार : शिकागो ट्रिब्यून

दोहा, क़तर

23 सितंबर, 2016 को लेत्वाल होटल, दोहा, क़तर में नॉर्थ इंडियन्स एसोसिएशन द्वारा भारत की राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। हिंदी के प्रति उत्साहपूर्ण भाव को जागृत करने हेतु कई संवादात्मक गतिविधियों के साथ ही बच्चों द्वारा 'स्किट' तथा कई हास्य कवि प्रतिभागियों द्वारा काव्य पाठ प्रस्तुत किए गए।

साभार : नॉर्थ इंडियन्स फ़ेसबुक पृष्ठ

एडिनबर्ग

17 सितंबर, 2016 को एडिनबर्ग स्थित भारत के महावाणिज्यदूतावास तथा बालगोकुलम, एडिनबर्ग हिंदू मंदिर और सांस्कृतिक केंद्र के सहयोग से हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। समारोह के दौरान बच्चों तथा वयस्क वर्ग हेतु हिंदी काव्य पाठ तथा ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस अवसर पर विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

साभार : एडिनबर्ग हिंदू मंदिर और सांस्कृतिक केंद्र फ़ेसबुक पृष्ठ

कंबोडिया

14 सितंबर, 2016 को भारतीय दूतावास, नामपेन्ह, कंबोडिया में हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयोजित हिंदी निबंध प्रतियोगिता में भारतीय समुदाय के सदस्यों, विशेष रूप से बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। 16 सितंबर, 2016 को प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान भारतीय राजदूत, महामहिम श्री नवीन श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों का स्वागत कर उनको पुरस्कृत किया।

साभार : इंडिया इन कंबोडिया फ़ेसबुक पृष्ठ

नेपाल

14-28 सितंबर, 2016 को भारत के महावाणिज्यदूतावास, बीरगंज, नेपाल के पुस्तकालय भवन में हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। सत्र के दौरान महावाणिज्यदूत,

महामहिम श्रीमती अंजु रंजन, उप-वाणिज्यदूत, श्री कृष्णा चैतन्य एवं अनेक हिंदी प्रेमी बुद्धिजीवियों ने बी.पी. कोईराला द्वारा लिखित हिंदी साहित्य, कहानियों, कविताओं तथा उनके हिंदी के प्रति स्नेह भाव तथा उल्लेखनीय योगदान पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। इस अवसर पर स्तंभ लेखक एवं राजनीतिक विश्लेषक, सर्वश्री चंद्र किशोर, लेखक सच्चिदानंद सिंह, साहित्यकार, श्रीमान नारायण, हिंदी साहित्य परिषद के अध्यक्ष, ओम प्रकाश सिकरिया तथा शिक्षाविद, मनीष कर्ण उपस्थित थे।

साभार : भारतीय दूतावास, बीरगंज, नेपाल का वेबसाइट

सउदी अरब

14 सितंबर, 2016 को भारतीय वाणिज्यदूतावास, जेद्दाह, सउदी अरब द्वारा दूतावास के सभागार में हिंदी दिवस मनाया गया। समारोह का शुभारंभ महावाणिज्यदूत, महामहिम श्री मुहम्मद नूर रहमान शेख ने किया। उन्होंने हिंदी को सही अर्थों में राजभाषा बनाए जाने पर बल देते हुए देश की एकता में हिंदी के योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में आयोजित '**सउदी अरब में हिंदी का प्रचार-प्रसार**' नामक निबंध तथा हिंदी साहित्य पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

साभार : सउदी गज़ेट

ओटावा, कनाडा

14 सितंबर, 2016 को भारतीय उच्चायोग, ओटावा में कार्लटन विश्वविद्यालय, कनाडा-इंडिया सेंटर फ़ॉर एक्सेलैंस के तत्वावधान में हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हिंदी कविता वाचन का आयोजन किया गया जिसमें प्रो. जगमोहन हुमर, प्रो. एच. मसूद ताज, प्रो. विनोद कुमार, प्रो. रश्मि रेखा गुप्ता तथा कमलेश मिश्र ने अपनी कविताएँ सुनाईं। कार्यक्रम के अंतर्गत सभा को संबोधित करते हुए कार्यवाहक उच्चायुक्त, महामहिम श्री अरुण कुमार साहू ने हिंदी की प्रासंगिकता व महत्व पर चर्चा की। समारोह में हिंदी व संस्कृत के विद्यार्थी, प्रतिष्ठित विद्वान तथा अन्य आगंतुक उपस्थित थे।

साभार : भारतीय उच्चायोग, ओटावा, कनाडा का वेबसाइट

त्रिनिदाद एवं टोबैगो

22 सितंबर, 2016 को महात्मा गांधी सांस्कृतिक सहयोग संस्थान, प्लाज़ा दे मोंट्रोस, चकवानस के सभागार में भारतीय उच्चायोग, त्रिनिदाद एवं टोबैगो द्वारा हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हिंदी दिवस के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयोजित निबंध-लेखन तथा कविता-पाठ प्रतियोगिताओं के लिए हिंदी के विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

साभार : इंडिया इन त्रिनिदाद एंड टोबैगो फ़ेसबुक पृष्ठ

सुवा, फ़िजी

26 सितंबर, 2016 को भारतीय उच्चायोग, फ़िजी तथा साउथ पेसिफ़िक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी दिवस मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि फ़िजी

में भारतीय उच्चायुक्त, महामहिम श्री विश्वास सपकाल रहे। कार्यक्रम के दौरान डॉ. मोहित प्रसाद की गिरमिट पर बनी फ़िल्म 'ए फ़ॉर एप्पल' की प्रस्तुति के साथ गीत व नाटक प्रस्तुति भी हुई। समारोह में भारत में फ़िजी उच्चायुक्त, महामहिम सुश्री नमिता खत्री, सांसद, श्री विमान प्रसाद तथा डीन, सुश्री आकानसी आदि की उपस्थिति रही।

श्री अनिल शर्मा की रिपोर्ट

तूनिसिया

14 सितंबर, 2016 को भारतीय दूतावास, तूनिस, नॉर्ट्र डेम के सभागार में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में हिंदी भाषा को प्रसारित करने के उद्देश्य से तूनिसियायी निवासियों हेतु एक साप्ताहिक हिंदी कार्यक्रम चलाया गया। समारोह के दौरान आयोजित हिंदी काव्य-पाठ, निबंध-लेखन, चित्रकला तथा पोस्टर प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर हिंदी के उत्साही तूनिसियायी तथा भारतीय आप्रवासी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

साभार: भारतीय दूतावास, तूनिसिया वेबसाइट

बीजिंग

29 सितंबर, 2016 को भारतीय दूतावास, बीजिंग द्वारा हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दूतावास के उपसचिव, श्री अमित नारंग ने श्रोताओं को संबोधित करते हुए हिंदी भाषा के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा एक बहुत ही सुंदर माध्यम है जिससे प्रत्येक भावना व गंभीर विचार बड़ी आसानी से व्यक्त किए जा सकते हैं। दूतावास द्वारा '**दीपावली का त्योहार**' एवं '**भारत के विकास में युवाओं का योगदान**' विषय पर निबंध-लेखन तथा कविता-वाचन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों को सराहा गया एवं विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। साथ ही 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित प्रतियोगिताओं में भाग लेनेवालों को भी सम्मानित किया गया। चीनी विद्यालयों के हिंदी छात्रों, दूतावास के प्रतिनिधियों तथा उनके परिवारों ने इन गतिविधियों में भाग लिया।

भारतीय दूतावास, बीजिंग का वेबसाइट

न्यू जर्सी

14 सितंबर, 2016 को केंडल पार्क, भारत सेवाश्रम संघ सभागृह, न्यू जर्सी में युवा हिंदी संस्थान और हिंदी संगम प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी दिवस मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि न्यू जर्सी के प्रतिष्ठित समाज सेवी, डॉ. वेद चौधरी ने अमेरिकी युवकों को संबोधित कर श्रोताओं के समक्ष हिंदी के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर संगम-फ़्रैंकलिन स्टारटॉक तथा युवा हिंदी संस्थान स्टारटॉक कार्यक्रमों की मुख्य शिक्षिका, संज्योत ताटके ने अपने भाषण में दोनों संस्थानों द्वारा हिंदी विकास और प्रचार-प्रसार हेतु किए जा रहे कार्यों का विवरण प्रस्तुत करते हुए कहा कि युवा हिंदी संस्थान हिंदी शिक्षण और सामग्री एकत्र करने के लिए प्रयत्नशील है तथा ऑनलाइन सामग्री तैयार कर दुनिया के सभी कोनों में

रहनेवाले हिंदी छात्रों को हिंदी ज्ञान प्रदान करने के लिए कृतसंकल्प है। युवा हिंदी संस्थान की सचिव, अखिला शेखर ने अपने धन्यवाद भाषण में विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस को हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु बधाई दी। समारोह का संचालन विख्यात हिंदी पत्रकार और स्टारटॉक मान्यता प्राप्त शिक्षक, श्री अशोक ओझा ने किया।

श्री अशोक ओझा की रिपोर्ट

सर्बिया

14 सितंबर, 2016 को भारतीय दूतावास, सर्बिया द्वारा नॉवी सैड विश्वविद्यालय, बेलग्रेड में दर्शन संकाय के अंतर्गत भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद द्वारा हिंदी पीठ की स्थापना के साथ हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत तबला अध्यापक द्वारा व्याख्यान, सर्बियायी भारतविद की हिंदी/अंग्रेज़ी पुस्तकों और छायाचित्रों की प्रदर्शनी तथा 'निर्वाण' से संबंधित फ़िल्म व बॉलीवुड फ़िल्म 'जोधा अक़बर' की प्रस्तुति हुई। समारोह में भारतीय दूतावास व विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि, विद्यार्थी तथा अनेक भारतविद उपस्थित थे। समारोह का संचालन भारतीय राजदूत, महामहिम श्रीमती नरिंदर चौहान ने किया।

साभार : भारतीय दूतावास बेलग्रेड, सर्बिया का वेबसाइट

शंघाई

14 सितंबर, 2016 को भारतीय वाणिज्य दूतावास, शंघाई द्वारा हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। चीनी संकाय के हिंदी विभाग से श्री युतोंग ज़ाग मुख्य अतिथि और न्यायाध्यक्ष के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर वाद-विवाद, भाषण, कविता-वाचन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। उद्घाटन के दौरान महावाणिज्यदूत, महामहिम श्री प्रकाश गुप्ता ने प्रतिभागियों के उत्साह को सराहा और अपने दैनिक जीवन में हिंदी का प्रयोग करने का अनुरोध किया। समारोह के अंतर्गत छात्रों को पुरस्कृत किया गया।

साभार : भारतीय महावाणिज्यदूतावास शंघाई का वेबसाइट

हिंदी दिवस 2016 : भारत

दिल्ली

14 सितंबर, 2016 को राष्ट्रपति भवन, दिल्ली में हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रपति, माननीय श्री प्रणब मुखर्जी ने समस्त देशवासियों तथा हिंदी प्रेमियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्रालय द्वारा 'विश्व हिंदी सम्मेलन' और अन्य अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों के माध्यम से हिंदी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय बनाने का कार्य किया जा रहा है। विश्व हिंदी सचिवालय विदेशों में हिंदी का प्रचार-प्रसार करने और संयुक्त राष्ट्र में हिंदी को आधिकारिक भाषा बनाने के लिए कार्यरत है। उनका मानना है कि जितना अधिक हम हिंदी और प्रांतीय भाषाओं का प्रयोग शिक्षा, ज्ञान-विज्ञान, प्रौद्योगिकी आदि में करेंगे उतनी ही तेज़ गति से भारत का विकास होगा। इस अवसर पर 'राष्ट्रभाषा' पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

साभार : 'भारत के राष्ट्रपति' वेबसाइट

औरंगाबाद

17 सितंबर, 2016 को महाराष्ट्र हिंदी विद्यालय, औरंगाबाद द्वारा हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की

गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. सविता राजभोज ने की। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस दौरान विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस स्पर्धा में मुख्य अध्यापिका अनुराधा गाणोरकर, निर्णायक के रूप में श्री संतोष जाधव व श्री रामदास निल तथा शहर के जाने-माने महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। संचालन श्री संदीप भदाने तथा आभार ज्ञापन श्री गोविंद गायकवाड़ ने किया।

आभार : महाराष्ट्र हिंदी ग्रंथालय

मुंबई

13 सितंबर, 2016 को रंगशारदा सभागृह, बांद्रा, मुंबई में महाराष्ट्र सरकार के सांस्कृतिक कार्य विभाग, सांस्कृतिक कार्य निदेशालय तथा महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी के तत्वावधान में हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरंभ मुख्य अतिथि केंद्रीय सड़क परिवहन और यातायात मंत्री, श्री नितिन गडकरी ने दीप प्रज्वलन से किया। समारोह के दौरान काव्य सम्मेलन में गीत, कविता और ग़ज़लों की त्रिवेणी के अतिरिक्त हास्य तथा व्यंग्य प्रस्तुतियाँ हुईं। कार्यक्रम का संचालन अकादमी के सदस्य, डॉ. शीतलाप्रसाद दुबे ने किया। समारोह में कई हिंदी प्रेमी उपस्थित थे।

साभार : नवभारत टाइम्स

शिमला

14 सितंबर, 2016 को भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला, भारत में हिंदी दिवस को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समारोह की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक, प्रो. चेतन सिंह ने की। समारोह में हिंदी निबंध, श्रुतलेख, शब्दज्ञान व अनुवाद, सुलेख कविता, चित्र कला, कहानी - लेखन, वाद-विवाद, प्रश्न मंच तथा हिंदी टंकण आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रो. चेतन सिंह ने जीवन व्यवहार के सभी क्षेत्रों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने पर बल दिया तथा डॉ. शिवशरण कौशिक ने हिंदी को उत्तर से दक्षिण व पूर्व से पश्चिम तक एक वृहद भारतीय संपर्क भाषा के रूप में विकसित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के आरंभ में संयोजक एवं हिंदी अनुवादक, श्री राजेश कुमार ने संस्थान में हिंदी की विभिन्न प्रतियोगिताओं का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया । इस कार्यक्रम में संस्थान के सभी कर्मचारियों व अधिकारियों ने भाग लिया था। संस्थान के सचिव, श्री प्रेमचंद ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अध्येताओं, सह-अध्येताओं, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान के साथ इस कार्यक्रम का समापन किया गया।

श्री राजेश कुमार की रिपोर्ट

वर्धा

14 सितंबर, 2016 को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा एवं महादेवी वर्मा सृजन पीठ, कुमाऊँ विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में *'भीष्म साहनी का रचना संसार'* विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल की हिंदी विभागाध्यक्षा, प्रो. नीरजा टंडन ने की। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. हेतु भारद्वाज ने भीष्म साहनी की रचनाशीलता पर अपने विचार व्यक्त किए। समारोह में शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के साथ-साथ बड़ी संख्या में कई साहित्य प्रेमी उपस्थित थे। संचालन डॉ. मोहन रावत ने किया।

15 सितंबर, 2016 को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए पुरस्कारों का वितरण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रतिकुलपति, प्रो. आनंद वर्धन ने की। समारोह के दौरान सुलेख, हिंदी निबंध, वाद-विवाद, कविता पाठ तथा हिंदी टंकण प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया जिनमें चीन, थाईलैंड, श्रीलंका एवं बेल्जियम के विद्यार्थी भी शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन प्रो. राकेश मिश्र ने किया तथा आभार ज्ञापन कुलसचिव, डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र ने किया।

साभार : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

अम्बिकापुर

14 सितंबर, 2016 को सरगुजा विश्वविद्यालय, अम्बिकापुर के प्रयोजनमूलक हिंदी विभाग द्वारा हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता डॉ. मधुर मोहन ने की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. राजकुमार उपाध्याय रहे। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राजकुमार उपाध्याय और धन्यवाद ज्ञापन श्री अक्षयरंजन वर्मा ने किया।

डॉ. राजकुमार उपाध्याय की रिपोर्ट

चंडीगढ़

14 सितंबर, 2016 को यू. टी. अतिथि-गृह, चंडीगढ़ में साहित्य अकादमी द्वारा हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में साहित्यिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ अकादमी के उपाध्यक्ष व कवि, श्री माधव कौशिक ने मुख्य अतिथि डॉ. हुकम चंद राजपाल तथा शिक्षाविद और आलोचक, डॉ. लाल चंद का परिचय देते हुए किया। डॉ. राजपाल ने हिंदी पर हो रहे प्रभाव को उजागर करते हुए कई भाषाओं के अंत:संबंध पर अपने विचार व्यक्त किए। समारोह में अकादमी के अध्यक्ष, श्री गुलज़ार संधा, सचिव, डॉ. जसपाल सिंह एवं लेखकों तथा कवियों ने भाग लिया।

साभार : ट्रिब्यूनइंडिया.कॉम

हरियाणा

14 सितंबर, 2016 को गिली मुंडी कम्यूनिटी स्कूल के प्रांगण में हिंदी दिवस का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को हिंदीमय वातावरण में ढालने के लिए हिंदी से संबंधित अनेक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। स्कूल के प्रबंध निदेशक, श्री सोरदार सिंह मुंडी तथा प्रधानाचार्या, श्रीमती सरिता ने हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित गतिविधियों की सराहना करते हुए हिंदी के महत्व पर चर्चा की तथा छात्रों से हिंदी भाषा सीखने-पढ़ने का अनुरोध किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा हिंदी कविताओं की प्रस्तुति हुई। समारोह का अंत 'हिंदी सुलेख' प्रतियोगिता से हुआ।

गिली मुंडी कम्यूनिटी स्कूल की रिपोर्ट

गुना

14 सितंबर, 2016 को भार्गव कॉलोनी, गुना में मध्य प्रदेश लेखक संघ द्वारा हिंदी दिवस का भव्य आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि श्रमिक संसद के अध्यक्ष, श्री आर. के. सोनी रहे तथा वरिष्ठ गीतकार, श्री विष्णु 'साथी' ने अध्यक्षता की। इस अवसर पर हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत काव्य गोष्ठी आयोजित की गई। समारोह के दौरान 'साहित्य क्रान्ति' पत्रिका के संपादक, श्री अनिरुद्ध सिंह सेंगर, डॉ. हरकांत, श्री प्रेम सिंह 'प्रेम' तथा डॉ. लक्ष्मीनारायण आदि ने हिंदी भाषा पर अपने विचार व्यक्त किए। समारोह का संचालन श्री सुनील शर्मा 'चीनी' तथा आभार ज्ञापन श्रीमती मिथिलेश सेंगर ने किया।

श्री अनिरुद्ध सिंह सेंगर की रिपोर्ट

प्रधान संपादक :
डॉ. विनोद कुमार मिश्र

सहायक संपादक :
सुश्री श्रद्धांजलि हजगैबी

संपादकीय टीम :
सुश्री त्रिशिला सोमर, श्रीमती उषा राम, सुश्री शिक्षा धनपत, श्रीमती विजया सरजु, डॉ. देविना अक्षयवर, सुश्री जयश्री सिबालक

***

विश्व हिंदी सचिवालय
स्विफ़्ट लेन, फ़ॉरेस्ट साइड 74427, मॉरीशस
World Hindi Secretariat
Swift Lane, Forest Side 74427, Mauritius
फ़ोन/Phone: (230) 676 1196 * फ़ैक्स/Fax: (230) 676 1224
ईमेल/Email: info@vishwahindi.com
वेबसाइट/Website: www.vishwahindi.com

***

Printed by BAHADOOR PRINTING LTD.
Avenue St. Vincent de Paul-Pailles
Tel: (230) 2081317

मुंबई में द्विदिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी

26-27 सितंबर, 2016 को विले पार्ले सभागार, मुंबई में साठये महाविद्यालय तथा अयोध्या शोध संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में ***'भूमंडलीकरण के परिप्रेक्ष्य में साहित्य, समाज और संस्कृति'*** विषयक दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता डॉ. कविता रेगे ने की। समारोह के दौरान डॉ. सिराजुद्दीन एस. नुर्मातोव (ताशकंद, उज़्बेकिस्तान), डॉ. विद्योत्मा कुंजल (मॉरीशस), डॉ. गंगाप्रसाद शर्मा गुणशेखर (गुआंडोंग विश्वविद्यालय, चीन), डॉ. रामेश्वर सिंह (भारतीय रूसी मैत्रीसंघ, मास्को), डॉ. वजीरा गुणसेना (कोलंबो, श्रीलंका), डॉ. अशोक ओझा (हिंदी संगम फाउण्डेशन, अमेरिका) तथा डॉ. सुरेशचंद्र शुक्ल (नॉर्वे) ने प्रवासी विद्वानों के रूप में विषय के विविध पक्षों की गहन विवेचना की। इस अवसर पर डॉ. प्रदीप कुमार सिंह द्वारा संपादित 'भूमंडलीकरण के परिप्रेक्ष्य में साहित्य, संस्कृति और भाषा' नामक ग्रंथ का लोकार्पण किया गया। संगोष्ठी में देश-विदेश से आए हिंदी सेवियों और विद्वानों ने भाग लिया। समारोह का संचालन डॉ. ऋषभदेव शर्मा ने किया।

डॉ. ऋषभदेव शर्मा की रिपोर्ट

मुंबई में बैंक ऑव बड़ौदा द्वारा अंतर बैंक हिंदी सेमिनार

3 सितंबर, 2016 को बैंक ऑव बड़ौदा के कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई में बैंक ऑव बड़ौदा एवं माइक्रोसॉफ़्ट के संयुक्त तत्वावधान में ***'डिजिटल युग में भाषा का महत्व एवं चुनौतियाँ'*** विषय पर अंतर बैंक हिंदी सेमिनार का आयोजन किया गया।

सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, वित्तीय सेवाएँ विभाग के संयुक्त निदेशक (राजभाषा), डॉ. वेद प्रकाश दूबे तथा मुख्य वक्ता के रूप में माइक्रोसॉफ़्ट के वरिष्ठ उत्पाद विपणन प्रबंधक, श्री बालेंदु शर्मा दाधीच उपस्थित रहे। सेमिनार के प्रारंभ में उपमहाप्रबंधक (राजभाषा), डॉ. जवाहर कर्नावट ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर श्री बालेंदु शर्मा ने उनको संबोधित करते हुए कहा कि, ***" डिजिटल युग में तेज़ी से बदलाव हो रहे हैं। वह दिन दूर नहीं जब टेक्नोलॉजी इतनी सशक्त होगी कि किसी भी व्यक्ति को अपनी भाषा के अलावा कोई दूसरी भाषा सीखने की ज़रूरत ही नहीं होगी क्योंकि तकनीक के माध्यम से पाठक किसी भी भाषा में पुस्तक पढ़ सकेंगे, किसी भी भाषा के व्यक्ति से बात करने में समर्थ होंगे, कोई भी भाषा खतरे में नहीं होगी और ये सभी परिवर्तन संभवत: 2030 तक हो जाएँगे।"*** इस कार्यक्रम में मुंबई स्थित सभी बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों के उच्च कार्यपालकों के साथ-साथ राजभाषा प्रभारियों तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिकारियों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन मुख्य प्रबंधक (राजभाषा), श्री पुनीत कुमार मिश्र ने किया और धन्यवाद ज्ञापन श्री जय प्रकाश सौंखिया ने किया।

साभार : दिव्यहिमाचल.कॉम

बेंगलूरु में एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय हिंदी संगोष्ठी

15 सितंबर, 2016 को शेषाद्रिपुरम महाविद्यालय, बेंगलूरु में '**भूमंडलीकरण के परिप्रेक्ष्य में हिंदी भाषा और साहित्य : प्रभाव और चुनौतियाँ**' विषय पर एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि कनाडा निवासी प्रो. सरन घई रहे तथा विशिष्ट अतिथि पटना के प्रसिद्ध रंग आलोचक और साहित्यकार, हृषीकेश सुलभ, बेंगलूरु के प्रो. ललितांबा, प्रो. लता चौहान तथा डॉ. विनय कुमार यादव उपस्थित थे। प्रो. घई ने ***'विदेशों में हिंदी के प्रचार-प्रसार की चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ'*** विषय पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया तथा श्री हृषीकेश सुलभ ने ***'हिंदी को दक्षिण भारत में स्तरीय बनाने के लिए'*** विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर मासिक राष्ट्रीय पत्रिका 'द्रू मीडिया' के सितंबर अंक का विमोचन किया गया। इस अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रतिष्ठित साहित्यकारों, विचारकों, प्रवक्ताओं एवं रचनाकारों की सहभागिता रही। कार्यक्रम का संचालन संगोष्ठी की संयोजिका, प्रो. उर्मिला पोरवाल और छात्रा मानीनी द्वारा किया गया तथा आभार ज्ञापन प्रो. पोरवाल ने किया।

प्रो. उर्मिला पोरवाल सेठिया की रिपोर्ट

मुंबई में वैश्विक हिंदी संगोष्ठी

20 सितंबर, 2016 को चर्चगेट भवन स्थित सभागार में वैश्विक हिंदी सम्मेलन तथा मुंबई रेल विकास कॉर्पोरेशन द्वारा ***'देश-विदेश में हिंदी'*** विषय पर एक वैश्विक हिंदी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में हिंदी शिक्षा संघ, दक्षिण अफ्रीका की अध्यक्षा, प्रो. उषा शुक्ला उपस्थित थीं। इस अवसर पर प्रो. शुक्ला को 'वैश्विक हिंदी सेवा सम्मान' तथा प्रभात सहाय, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मुंबई रेल विकास कॉर्पोरेशन को 'राष्ट्रभाषा गौरव सम्मान' से विभूषित किया गया। प्रो. शुक्ला ने भारत तथा अन्य देशों में हिंदी की स्थिति पर अपने विचार व्यक्त किए। श्री सहाय ने अपने हिंदी के अनुभव बताए और देश में हिंदी को सरल व सहज बनाने तथा उसे संयुक्त राष्ट्र संघ की भाषा बनाने पर ज़ोर दिया। साहित्यकार, माणिक मुंडे ने भारतीय भाषाओं के विकास के लिए योजनाबद्ध उपाय करने पर ज़ोर दिया। बैंक ऑव बड़ौदा के उप महाप्रबंधक, श्री जवाहर कर्नावट ने विभिन्न देशों में हिंदी के प्रसार की स्थिति की जानकारी दी व प्रसार के लिए उपलब्ध भाषा प्रौद्योगिकी के प्रयोग पर बल दिया। साथ-साथ के. सी. कॉलेज के हिंदी विभागाध्यक्ष, डॉ. शीतला प्रसाद दुबे ने हिंदी के प्रसार के लिए शिक्षा, साहित्य, सिनेमा और राजभाषा आदि सभी क्षेत्रों के बीच समन्वय स्थापित करने के संयुक्त प्रयास किए जाने पर ज़ोर दिया। कार्यक्रम में रोशनी खूबचंदानी, गजानन महातपुरकर, कलीमुल्लाह ख़ान, मेघराज पाहवा, रामप्रीत यादव, विद्या देशमुख, सुषमा तैलंग, अतनु चटोपाध्याय तथा बड़ी संख्या में शिक्षा, साहित्य तथा राजभाषा क्षेत्र के हिंदी सेवी उपस्थित थे। डॉ. एम. एल. गुप्ता 'आदित्य' ने भाषा शिक्षण में भाषा प्रौद्योगिकी के समावेश पर अपने विचार व्यक्त करते हुए संगोष्ठी का संचालन किया।

साभार : वैश्विक हिंदी सम्मेलन, मुंबई

जेएनयू में 'हमारे समय का साहित्य–2' विषयक त्रिदिवसीय रचना पाठ व परिसंवाद

27-29 सितंबर, 2016 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के भारतीय भाषा केंद्र द्वारा साहित्य अकादमी के सहयोग से *'हमारे समय का साहित्य–2'* विषय पर त्रिदिवसीय रचना पाठ व परिसंवाद का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र में प्रसिद्ध आलोचक, प्रो. मैनेजर पाण्डेय ने इतिहास को साहित्य पर आरोपित करते हुए साहित्य के दो रूप-'अभिजन साहित्य' और 'जन साहित्य' पर विचार व्यक्त किए। हिंदी के वरिष्ठ आलोचक, डॉ. रविभूषण ने साहित्य और इतिहास की रचना में भिन्नता दर्शायी तथा चर्चित राजनीतिक विचारक डॉ. मणींद्रनाथ ठाकुर ने साहित्य व इतिहास के संबंध पर बात की। सत्र के संयोजक, प्रो. देवेंद्र चौबे ने बताया कि परिसंवाद के माध्यम से अध्येता-सृजन की दुनिया में हो रहे परिवर्तन और विकास की प्रक्रियाओं को समझाने का सामूहिक प्रयास किया गया है।

कार्यक्रम में 'कथाकार अमृतलाल नागर : शहर की संस्कृति और इतिहास के कुछ सवाल' और 'आधुनिक भारत के इतिहास लेखन के कुछ साहित्यिक स्रोत' पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। परिसंवाद का दूसरा दिन, '**कथा : व्याख्यान, रचना और बातचीत**' पर आधारित था जिसमें श्री हितेंद्र पटेल ने 'साहित्य-इतिहास' पर चर्चा की तथा प्रो. रामबक्ष ने इतिहास को कहानी का रूप बताया। कार्यक्रम का तीसरा दिन, '**काव्य : व्याख्यान, रचना पाठ**' पर केंद्रित था जिसमें प्रसिद्ध आलोचक डॉ. जबरीमल पारख ने काव्य तथा इतिहास पर चर्चा की। त्रिदिवसीय समारोह के दौरान श्रीमती चित्रा मुद्गल, डॉ. सुरेश कांटक, एस. आर. हरनोट, हरि भटनागर, अवधेश प्रीत, अनुज, प्रो. अनवर आलम, प्रो. देवेंद्र चौबे, डॉ. पुरुषोत्तम बिलिमाले, जी.जे.वी. प्रसाद, कुमार नयन, प्रो. गोबिंद प्रसाद तथा डॉ. अख़लाक़ अहमद आहन आदि रचनाकारों ने रचना पाठ किया तथा पूनम कुदेसिया एवं डॉ. गणपत तेली ने श्री अमृतलाल नागर कृत 'गदर के फूल' का नाटकीय शैली में पाठ किया।

कार्यक्रम का संचालन प्रो. पूनम कुमारी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन पूनम एस. कुदेसिया ने किया।

प्रो. देवेंद्र चौबे की रिपोर्ट

हैदराबाद में 'भारतीय भाषाओं के साहित्यकारों का योगदान' पर साहित्यिक गोष्ठी

16 अगस्त, 2016 को गांधी दर्शन मण्डप, हैदराबाद में हिंदी लेखक संघ की 500वीं मासिक साहित्य गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें *'भारतीय भाषाओं के साहित्यकारों का योगदान'* विषय पर चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के संस्थापक कार्यदर्शी व वरिष्ठ कवि, नेहपाल सिंह वर्मा ने की। उन्होंने संघ की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि यह एक ऐसा मंच रहा है जिसने युवा साहित्यकारों के लिए दिशा-निर्देशन का काम किया। इस अवसर पर हिंदी कवि, डॉ. दयाकृष्ण गोयल ने लेखक संघ में हो रही समीक्षा पर अपने विचार व्यक्त किए। डॉ. कुमुद बाला ने कहा कि संघ की गोष्ठियों में बांग्ला साहित्य के हिंदी अनुवाद पर महत्वपूर्ण चर्चाएँ हुईं जिनमें शरदचंद्र चटर्जी और रवींद्रनाथ ठाकुर का साहित्य उल्लेखनीय है। कर्नाटक के साहित्यकार, श्री जी. किशन राव ने बताया कि कन्नड़ साहित्य से जुड़े लोग भी इसमें रुचि लेते हैं। कार्यक्रम में बृहस्पति शर्मा, संत कुमार मंडल, अवधेश कुमार सिन्हा, नीरज कुमार, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, श्रीनिवास सावरीकर, सुषमा बैद, पुरुषोत्तम कडेल आदि ने गोष्ठी में भाग लिया। समारोह का संचालन श्री गोविंद अक्षय ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन रत्नकला मिश्र ने किया।

साभार : इ–पेपर स्वतंत्रवार्ता.कॉम

प्रेमचंद जयंती पर विचार गोष्ठी एवं गीत संध्या

31 जुलाई, 2016 को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के भगत सिंह छात्रावास में प्रेमचंद जयंती पर विचार गोष्ठी एवं गीत संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति, प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने की तथा मुख्य वक्ता, प्रो. कृष्ण कुमार सिंह रहे। प्रो. सिंह ने प्रथम सत्र में वर्तमान संदर्भ में प्रेमचंद की महत्ता एवं प्रासंगिकता की चर्चा करते हुए उनके साहित्यिक अवदान पर विधिवत प्रकाश डाला।

दूसरे सत्र के दौरान कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने कहा कि प्रेमचंद की कृतियाँ भारत के सर्वाधिक विशाल और विस्तृत वर्ग की कृतियाँ हैं। समारोह में गीत प्रस्तुति भी हुई। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक, प्रो. अरुण त्रिपाठी, डॉ. उमेश कुमार सिंह, डॉ. अनवर अहमद सिद्दिकी, डॉ. वीरेंद्र यादव, डॉ. हुनगुंद, डॉ. मुन्नालाल गुप्त एवं छात्र-शोधार्थी मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग के शोध-अध्येता, श्री प्रदीप त्रिपाठी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन छात्रावास अधीक्षक, डॉ. रूपेश कुमार सिंह ने किया।

बी. एस. मीरगे की रिपोर्ट

साहित्य सेवा समिति की साहित्यिक गोष्ठी

6 जुलाई, 2016 को वाई. एम. आई. एस. सभागार, कोठी में साहित्य सेवा समिति की साहित्यिक गोष्ठी संपन्न हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अहिल्या मिश्र ने की। प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता, श्री शशि नारायण स्वाधीन, डॉ. बालकृष्ण शर्मा और श्री दयाकृष्ण गोयल रहे जिन्होंने शहर के प्रसिद्ध ग़ज़लकार, गीतकार एवं क्रांतिकारी मुख़्दम मोइनुद्दीन की जीवनी तथा रचनाओं पर चर्चा की।

दूसरे सत्र में काव्य-गोष्ठी का आयोजन हुआ जिसमें श्री कुंजबिहारी गुप्त, श्री शिव कुमार तिवारी, श्री उमेशचंद्र श्रीवास्तव, श्रीपूनम जोधपुरी, श्री सुरेश जैन, श्री पवन जैन चिनारिया, श्री दर्शन सिंह, श्रीमती रेणु अग्रवाल, श्रीमती सुषमा बैद, श्री अवधेश कुमार सिन्हा, श्री प्रवीण प्रणव आदि ने काव्य पाठ किया। श्रीमती सुनीता लुल्ला जी ने मंच संचालन किया तथा देवा प्रसाद मयला ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

साभार : इ–पेपर स्वतंत्रवार्ता.कॉम

जोधपुर में मुंशी प्रेमचंद जयंती

31 जुलाई, 2016 को राजस्थान पश्चिमी क्षेत्र, जोधपुर में मुंशी प्रेमचंद जयंती का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि डाक निदेशक व हिंदी साहित्यकार, श्री कृष्ण कुमार यादव रहे। उन्होंने कहा कि आज प्रेमचंद की प्रासंगिकता इसलिए और भी बढ़ गई है क्योंकि आधुनिक साहित्य में स्थापित नारी-विमर्श एवं दलित-विमर्श के बावजूद अन्ततः लोग इनके सूत्र किसी न किसी रूप में प्रेमचंद की रचनाओं में ढूंढ़ते नज़र आते हैं। इस अवसर पर श्री यादव ने अपनी पुस्तक '16 आने 16 लोग' भी भेंट की।

श्री कृष्ण कुमार यादव की रिपोर्ट

दिल्ली में श्री अमृतलाल नागर की जन्म शती पर परिचर्चा

10 अगस्त, 2016 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली में भारतीय भाषा केंद्र द्वारा प्रसिद्ध हिंदी लेखक, श्री अमृतलाल नागर की जन्म शती के उपलक्ष्य में एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता प्रो. देवेंद्र चौबे ने की। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित, केंद्र के प्रो. रामबक्ष ने कहा कि श्री अमृतलाल नागर हिंदी के बहुअनूदित और क्लासिक लेखक हैं तथा उनकी रचनाओं में इतिहास की जानकारी का बहुत बड़ा हिस्सा है। प्रो. देवेंद्र चौबे ने कहा कि नागर जी एक क्लासिकल लेखक हैं जिनके साहित्य में पूरा भारत दिखाई देता है। इस अवसर पर प्रो. ऋचा नागर द्वारा संपादित 'मैं और मेरा मन : शरद नागर' पुस्तक और श्री राकेश रेणु और फ़रत परवीन द्वारा संपादित 'आजकल' पत्रिका के अगस्त विशेषांक का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में श्री अमृतलाल नागर के परिजन उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन प्रो. पुरुषोत्तम बिलिमाले ने किया।

प्रो. देवेंद्र चौबे की रिपोर्ट

वर्धा में राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त जयंती समारोह

9 अगस्त, 2016 को महात्मा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान सेवाग्राम के डॉ. सरोजिनी नायडू सभागार में राष्ट्रकवि स्मृति समिति, वर्धा तथा महात्मा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान की विद्यार्थी परिषद की ओर से राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त जयंती के उपलक्ष्य में *'गुप्त जी के बहाने : साहित्य की निरंतर सिमटती सामाजिक भूमिका'* विषय पर परिचर्चा हुई। परिचर्चा की अध्यक्षता महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी वि.वि. के अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ के अधिष्ठाता, प्रो. देवराज ने की। कार्यक्रम के प्रारंभ में मैथिलीशरण गुप्त स्वरचित हिंदी काव्य प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। चर्चा में डॉ. ऋषभ देव शर्मा, श्री अशोक नौगरइया, डॉ. हेमचंद्र वैद्य आदि वक्ताओं ने कुछ प्रश्न उठाकर अपनी जिज्ञासाएँ व्यक्त करते हुए कहा कि 1920 से 1950 की कविताओं में एक आंदोलन था जो हृदय को स्पंदित करती थीं और वे समाज में नव-चेतना जागृत करने का साधन बनीं। गुप्त जी इसके प्रणेता थे और स्वतंत्रता आंदोलन में उनके काव्य ने एक महती भूमिका निभाई। इस अवसर पर डॉ. ओमप्रकाश गुप्त द्वारा वृद्धजनों के स्वास्थ्य से संबंधित मराठी से अनूदित डॉ. संजय बजाज द्वारा लिखित 'उत्तरायण' नामक पुस्तक का लोकार्पण मंचासीन अतिथियों द्वारा किया गया। समारोह में कई गण्यमान्य अतिथियों सहित संस्थान के विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुपमा गुप्त ने किया।

डॉ. दिलीप गुप्त की रिपोर्ट

टी. वी. पत्रकारों का काव्य समागम 'शब्दोत्सव'

24 जुलाई, 2016 को मारवाह स्टूडियो, फ़िल्म सिटी, नोएडा में पहली बार 'शब्दोत्सव' नामक काव्य महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें 30 से अधिक टेलीविज़न न्यूज़ चैनलों के एंकरों, रिपोर्टरों और प्रोड्यूसरों ने भाग लिया। समारोह की अध्यक्षता प्रख्यात साहित्यकार, श्री अशोक चक्रधर और प्रसिद्ध शायर देवबंदी ने की। कवि सम्मेलन-मुशायरे में कवियों ने अनेक विषयों पर बेबाकी से अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के संयोजक और ए. बी. पी. न्यूज़ के पत्रकार, श्री विजय शर्मा के अनुसार इस कार्यक्रम के आयोजन के बहाने चैनलों से जुड़े साहित्यिक अभिरुचि से लोगों को इकट्ठा करने का प्रयास किया गया जिसका उद्देश्य पत्रकार व कवियों के रचनाकर्म को मंच देना, उनके लेखन में निरंतरता लाना और नए लेखकों को प्रोत्साहित करना है। 'शब्दोत्सव' का मंच संचालन इंडिया न्यूज़ की इक्ज़ेक्यूटीव एडिटर, शीतल राजपूत और भारतीय सूचना सेवा के अधिकारी, श्री दुर्गानाथ स्वर्णकार ने किया।

साभार : इनखबर.कॉम

डॉ. दामोदर खडसे द्वारा 'अभिव्यक्ति' पत्रिका का लोकार्पण

12 अगस्त, 2016 को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के आवासीय लेखक तथा सुविख्यात साहित्यकार, डॉ. दामोदर खडसे के हाथों साहित्य विद्यापीठ के शोधार्थियों तथा विद्यार्थियों द्वारा चलाई जानेवाली भित्ति पत्रिका 'अभिव्यक्ति' का लोकार्पण किया गया। इस पत्रिका में शोधार्थी तथा विद्यार्थी अपनी सृजनात्मक साहित्यिक अभिव्यक्ति करते हैं। इस अवसर पर साहित्य विद्यापीठ के अधिष्ठाता, प्रो. के. के. सिंह, अध्यक्ष, प्रो. सूरज पालीवाल, पत्रिका के संरक्षक, सहायक प्रोफ़ेसर, डॉ. रामानुज अस्थाना, मार्गदर्शक, डॉ. बीरपाल सिंह यादव, डॉ. अशोक नाथ त्रिपाठी, डॉ. उमेश कुमार सिंह, संपादक, रजनी झा सहित अनेक शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

साभार : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

मधु आचार्य 'आशावादी' की 7 पुस्तकों का लोकार्पण

16 जुलाई, 2016 को बीकानेर में नट साहित्य-संस्कृति संस्थान की ओर से हिंदी व भोजपुरी के चर्चित साहित्यकार मधु आचार्य की 7 कृतियों-कहानी -संग्रह 'जीवन एक सारंगी', व्यंग्य-संग्रह 'गई बुलट प्रुफ़ में', कविता-संग्रह 'श से शायद' तथा 'रेत से उस दिन मैंने पूछा', बाल उपन्यास 'चींटी से पर्वत बनी पार्वती', बाल कथा-संग्रह 'सुनना, गुनना और चुनना' तथा बाल कविता-संग्रह 'लिखो अपनी खुद कहानी' का विमोचन किया गया। पुस्तकों का लोकार्पण मुख्य अतिथि के रूप में आए दिल्ली के वरिष्ठ साहित्यकार, डॉ. परिचतदास द्वारा संपन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता समाजसेवी, रामकिशनदास आचार्य ने की। डॉ. परिचतदास ने कहा कि मधु आचार्य संवेदनशील व्यक्तित्व के धनी हैं और यही वजह है कि आचार्य की रचनाओं में संवेदनशीलता का प्रमाण मिलता है। समारोह के दौरान मधु आचार्य के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर केंद्रित वेबसाइट का लोकार्पण भी हुआ। समारोह का संचालन हरीश श्री. बी. शर्मा ने किया तथा आभार ज्ञापन श्री अनुराग हर्ष ने किया।

साभार : भास्कर.कॉम

कोपनहेगन विश्वविद्यालय, डेनमार्क में पुस्तक लोकार्पण व हिंदी संध्या

22 सितंबर, 2016 को कोपनहेगन विश्वविद्यालय, डेनमार्क के क्रॉस कल्चरल एंड रीजनल स्टडीज़ विभाग के हिंदी प्रोफ़ेसर, एल्मार रेनर द्वारा आयोजित 'पॉल की तीर्थयात्रा' नामक पुस्तक के लोकार्पण के साथ हिंदी संध्या संपन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भारतीय राजदूत, महामहिम श्री राजीव शहारे द्वारा श्रीमती अर्चना पैन्यूली के नवीन उपन्यास 'पॉल की तीर्थयात्रा' के विमोचन से हुआ। उन्होंने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि, *''हिंदी एक विशाल जनसंख्या की मातृभाषा व विश्व स्तर की प्रमुख भाषाओं में भी एक है। हिंदी निस्संदेह संयुक्त राष्ट्र संघ की भाषा बननी चाहिए।''* समारोह के दौरान प्रो. एल्मार रेनर, प्रो. रश्मि सिंघला, एडवोकेट राज कोहली तथा ऋतु कृष्णन ने उपन्यास पर अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रो. एल्मार रेनर ने कहा कि, *''उपन्यास की विशेषता यह है कि पश्चिमी भावनाएँ हिंदी में पढ़ने को मिलती हैं और उपन्यास में पूर्वी व पश्चिमी संस्कृतियों-भावों का अच्छा मिश्रण है।''* लोकार्पण के पश्चात *'उत्तरी यूरोप में हिंदी की दशा'* विषय पर परिचर्चा हुई। कार्यक्रम के अंत में तृप्ति मनी द्वारा एक शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुति हुई। समारोह में हैम्बर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी के प्रो. रामप्रसाद भट्ट, आरहुस विश्वविद्यालय से एसोसिएट प्रोफ़ेसर, डॉ. विवेक शुक्ल, स्थानीय भारतीय, डेनिश व अन्य विदेशी हिंदी प्रेमी तथा छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे। मंच संचालन लाली परवाना ने किया।

डॉ. ज्योति प्रसाद पैन्यूली की रिपोर्ट

लंदन में कविता – संग्रह 'वतन की खुशबु-नेटिव सेंट्स' का लोकार्पण

28 जुलाई, 2016 को नेहरू सेंटर, वातायन साहित्य संस्था, लंदन ने अपने 'वतन की खुशबु-नेटिव सेंट्स' नामक काव्य - संग्रह के चौथे संकलन का लोकार्पण किया। समारोह की मुख्य अतिथि प्रसिद्ध ब्रिटिश कवि और लेखक, रुथ पडेल रहीं तथा लंदन में नियुक्त भारतीय उच्चायोग के हिंदी व संस्कृति अधिकारी, श्री तरुण कुमार विशेष अतिथि रहे। अध्यक्षता डॉ. ज़िया शकेब ने की। लोकार्पण मुख्य अतिथि, रुथ पडेल के हाथों संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि इस काव्य - संग्रह में बहुरूपता केवल आकर्षित नहीं करती बल्कि इसके बहुभाषीय कवियों के अनुभव से नौजवानों को अपने देश के अच्छे-बुरे की सराहना करने में सहायता मिलेगी और पश्चिम को एशियाई देशों की कविताओं और संस्कृति का ज्ञान प्राप्त होगा। दर्शक-दीर्घा में एशियाई संगीत-सर्किट के संस्थापक, वीरम जसानी, 'वर्ड-मसाला' के संपादक, योगेश पटेल, 'हेल्थ एंड हैपीनेस' के संपादक, विजय राणा, उर्दू विद्वान, जावेद शेख, कवि यशब तमन्ना, फ़ेब-बुक क्लब की संस्थापक, उमा मल्होत्रा, प्रसारक ममता गुप्ता, शिक्षाविद, अरुणा अजितसरिया तथा कई कवि, लेखक, अनुवादक, कलाकार और कला के पारखी एवं मीडियाकर्मी आदि उपस्थित थे। समारोह के दौरान ब्रिटेन के दो हिंदी विद्वानों - स्व. डॉ. सत्येंद्र श्रीवास्तव और डॉ. गौतम सचदेव को यह संकलन समर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

दिव्या माथुर की रिपोर्ट

'मॉरीशस के हिंदी सेवी प्रह्लाद रामशरण' पुस्तक का लोकार्पण

5 सितंबर, 2016 को प्रवासी भवन, नई दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय सहयोग परिषद और अनुसंधान यात्रा के संयुक्त सहयोग से डॉ. ब्रजेश कुमार यदुवंशी द्वारा संपादित पुस्तक 'मॉरीशस के हिंदी सेवी प्रह्लाद रामशरण' का लोकार्पण किया गया। लोकार्पण मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भारत में मॉरीशस के उच्चायुक्त महामहिम श्री जगदीश गोवर्धन द्वारा संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि मॉरीशस के लोग चाहते हैं कि हिंदी संयुक्त राष्ट्र की आधिकारिक भाषा बने तथा उन्होंने श्री प्रह्लाद रामशरण की हिंदी सेवा पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि हमें हिंदी भाषा के साथ-साथ अपनी मातृ भाषा भोजपुरी के प्रचार-प्रसार पर भी ध्यान देना चाहिए। अध्यक्षीय भाषण देते हुए केंद्रीय हिंदी संस्थान के उपाध्यक्ष, डॉ. कमल किशोर गोयनका ने श्री प्रह्लाद रामशरण के व्यक्तित्व और कृतित्व पर बात की।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग परिषद के नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं दक्षिण अफ़्रीका में भारत के पूर्व राजदूत, श्री वीरेन्द्र गुप्त ने कहा कि विश्व के विभिन्न देशों के साथ भारत के सांस्कृतिक संबंधों को सुदृढ़ करने में हिंदी भाषा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है तथा मॉरीशस में हिंदी भाषा का आधार अत्यंत सुदृढ़ है।

समारोह के दौरान हिंदी पत्रकार एवं लेखक, श्री रंजीत पाचांले, 'प्रवासी संसार' के संपादक, श्री राकेश पाण्डेय, वरिष्ठ हिंदी कवि एवं विचारक, डॉ. बी. एल. गौड़ तथा हिंदी बुक सेंटर के निदेशक, श्री अनिल कुमार ने भी अपने विचार व्यक्त किए। समापन भाषण परिषद के महासचिव श्री श्याम परांडे ने दिया।

श्री नारायण कुमार की रिपोर्ट

श्री जगदीश ओजायेब 'तीर्थराज' कृत 'पराए हुए अपने' पुस्तक का लोकार्पण

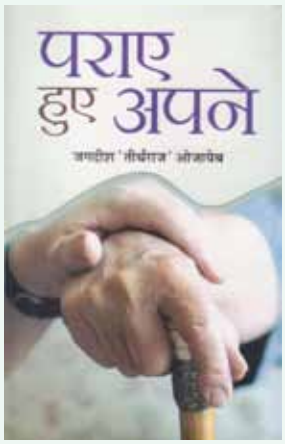

8 सितंबर, 2016 को रोज़ बेल, मॉरीशस में ग्राँ पोर्ट ज़िला परिषद द्वारा सुप्रसिद्ध समाज सेवी, साहित्यकार तथा नाटककार, श्री जगदीश ओजायेब 'तीर्थराज' कृत 'पराए हुए अपने' पुस्तक का लोकार्पण हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि संसद सदस्य, माननीया श्रीमती मालिनी सेवकसिंह रहीं। साथ ही ज़िला परिषद के प्रधान, श्री विनय हरचरण, कला एवं संस्कृति मंत्रालय के भूतपुर्व अधिकारी, श्री महेश रामजियावन, हिंदी स्पीकिंग यूनियन के अध्यक्ष, श्री राजनारायण गति, हिंदी प्रचारिणी सभा के प्रधान, श्री यंतुदेव बुधु, विश्व हिंदी सचिवालय के प्रतिनिधि तथा अनेक हिंदी प्रेमी उपस्थित थे। श्री ओजायेब ने अपने वक्तव्य में सभी को धन्यवाद देते हुए कहा कि नई पीढ़ी को भाषा, साहित्य तथा संस्कृति की ओर आकृष्ट करना लेखकों का परम कर्तव्य है। श्री. राजनारायण गति, अध्यक्ष, हिंदी स्पीकिंग यूनियन ने अपने वक्तव्य में हिंदी भाषा को एकता तथा आत्मीयता का प्रतीक बताते हुए सभी हिंदी प्रेमियों को नमन किया। इस अवसर पर श्री रामजियावन ने भी अतिथियों को संबोधित करते हुए अपने अनुभव बाँटे। मंच संचालन ज़िला परिषद के सदस्य, श्री रामबर्न ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन श्री ओजायेब के सुपुत्र ने किया।

विश्व हिंदी सचिवालय की रिपोर्ट

डॉ. वरुण कुमार कृत 'समय का सूर्य दिनकर' का लोकार्पण

18 जुलाई, 2016 को बिहार विधान परिषद के सभागार में डॉ. वरुण कुमार, सहायक प्रोफ़ेसर, नागालैंड केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा संपादित 'समय का सूर्य दिनकर' नामक पुस्तक का लोकार्पण किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि बिहार विधान सभा के अध्यक्ष, डॉ. विजय कुमार चौधरी रहे तथा विशिष्ट अतिथि प्रो. रामवचन राय, डॉ. उषा किरण ख़ान, चर्चित साहित्यकार, श्री आलोक धन्वा तथा प्रो. कुमार पंकज रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बिहार विधान परिषद के सदस्य, प्रो. रामबचन राय ने की। इस अवसर पर डॉ. विजय कुमार चौधरी ने कहा कि कवि रामधारी सिंह 'दिनकर' बिहार और भारत के गौरव हैं इसीलिए उन्हें भारत रत्न मिलना चाहिए तथा प्रो. रामबचन राय ने उन्हें साहित्य, समाज और सत्ता के त्रिकोण का प्रतीक बताया। कार्यक्रम में बिहार भोजपुरी अकादमी के अध्यक्ष, श्री चंद्र भूषण राय, पूर्व विधायक, अनिल कुमार, डॉ. उषा विद्यार्थी, बबलू देव, पूर्व मंत्री, विनोद यादव, कथाकार संतोष दीक्षित, शांतनु एवं कौशलेंद्र अभिषेक सिंह उपस्थित थे। समारोह का संचालन श्री अभिषेक राय तथा धन्यवाद ज्ञापन श्री आलोक आनंद ने किया।

साभार : भास्कर.कॉम

'राजगोपाल सिंह ग़ज़ल पुरस्कार' एवं पुस्तक लोकार्पण

1 जुलाई, 2016 को कंस्टीट्यूशनल क्लब, दिल्ली में 'राजगोपाल सिंह कुटुम्ब काव्यांचल एवं भाषा सहोदरी हिंदी समिति' द्वारा कवि राजगोपाल सिंह की स्मृति में 'राजगोपाल सिंह ग़ज़ल पुरस्कार' एवं पुस्तक लोकार्पण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, डॉ. लक्ष्मी शंकर वाजपेयी व विशिष्ट अतिथि श्री मंगल नसीम थे तथा अध्यक्षता पद्मश्री सुरेंद्र शर्मा ने की। श्री सचिन अग्रवाल को प्रथम 'राजगोपाल सिंह ग़ज़लकार सम्मान' प्रदान किया गया। इस अवसर पर कवयित्री ज्ञानेश्वरी 'सखी' सिंह के काव्य - संग्रह 'रेत पर लिखकर मेरा नाम', कवि शंभु शिखर के ग़ज़ल - संग्रह 'सिलवटों की महक' व कवि चिराग जैन के काव्य - संग्रह 'मन तो गोमुख है' का लोकार्पण भी संपन्न हुआ। कार्यक्रम में कई और भी विख्यात कवि व शायर - मलिकज़ादा जावेद, नरेश शांडिल्य, जगदीश प्रसाद सविता, सरफ़राज़ अहमद, सर्वेश चंदौसवी, हरे राम समीप के साथ-साथ भाषा सहोदरी हिंदी समिति से ममता लडीवाल, श्वेताभ पाठक, दुर्गेश्वरी, संजय तन्हा, शीम भारत भूषण, मनोज, शीतल, नुवेंद्र सिंह, मनीषा आदि भी मौजूद थे। मंच संचालन राहुल नील ने किया।

साभार : न्यूज़ ऑन्ली फ़ॉर यू

'बंद हवा खुली खिड़कियाँ' व 'अग्निपथ के राही' पुस्तकों का लोकार्पण

7 अगस्त, 2016 को प्रेस क्लब, चंडीगढ़ में साहित्यिक संस्था 'शब्द लोक' के तत्वावधान में डॉ. रेणुका नैयर की दो कृतियों-'बंद हवा खुली खिड़कियाँ' और 'अग्निपथ के राही' का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुमेधा कटारिया ने की। कहानी-संग्रह 'बंद हवा खुली खिड़कियाँ' में 15 कहानियाँ और 6 लघु कथाएँ शामिल हैं। दूसरी पुस्तक 'अग्निपथ के राही' में उपेंद्रनाथ अश्क, निर्मल वर्मा, नरेश मेहता, स्वदेश दीपक, भीष्म साहनी जैसे कालजयी लेखकों के साक्षात्कार प्रकाशित किए गए हैं। डॉ. रेणुका नैयर चार दशकों तक पत्रकारिता के क्षेत्र में अपना सराहनीय योगदान देने के बाद अब साहित्य जगत में अपना योगदान दे रही हैं। इस अवसर पर अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए सुमेधा कटारिया ने कहा कि रेणुका नैयर के अन्य लेखन के बजाय वे उनके कविता लेखन से कहीं अधिक प्रभावित हैं। पंजाब विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष, डॉ. वीरेंद्र मेंहदीरत्ता, नाटककार, डॉ. आत्मजीत, प्रो. लालचंद गुप्त मंगल, डॉ. प्रसून प्रसाद, डॉ. चंद्र त्रिखा, निरुपमा दत्त तथा चंडीगढ़ साहित्य अकादमी के उपाध्यक्ष, माधव कौशिक ने रेणुका नैयर की पुस्तकों पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में पधारीं एम.सी.एम. डी.ए.वी. कॉलेज की व्याख्याता, डॉ. प्रसून प्रसाद ने दोनों पुस्तकों पर अपने विचार प्रकट किए। समारोह में शहर के प्रसिद्ध साहित्यकारों ने अपनी उपस्थिति दी।

साभार : भास्कर.कॉम

रेणु जुनेजा कृत 'केवल... एक सफ़रनामा' का लोकार्पण

23 जुलाई, 2016 को झालाना ऑफ़िसर्स इंस्टीट्यूट, जयपुर में भारतेन्दु हरिश्चंद्र संस्थान के तत्वावधान में रपास कार्यक्रम के तहत लेखिका रेणु जुनेजा द्वारा श्री केवलराम के जीवन पर रचित पुस्तक 'केवल...एक सफ़रनामा' का लोकार्पण किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. सुदेश बत्रा रहे तथा अध्यक्षता श्री देवर्षि शास्त्री ने की। प्रो. बत्रा ने कहा कि लेखिका ने अपनी रचना में तटस्थता, सच्चाई और ईमानदारी का निर्वाह किया है। उक्त अवसर पर फ़िल्मकार गजेंद्र श्रोत्रिय, परम ज्योति (IPS), वरिष्ठ पत्रकार, स्वतंत्र मिश्र, डॉ. दुष्यंत, प्रेम पहाड़पुरी, कल्याण सिंह शेखावत, मोज्जम अली, कृष्ण कुमार पुरोहित, रज़ा सैदाई, गोविंद भारद्वाज, प्रदीप जुनेजा, एस. भाग्यम शर्मा, आर. डी. गोयल, रतन कुमार साँभरिया, चंद्रोदय, रामफूल गुर्जर, डॉ. राजेश व्यास, तसनीम खान, बणज कुमार, ओमेन्द्र मीणा, हरीश करमचंदानी, वीना करमचंदानी, बिलकीश बेगम, नफ़ीस आफ़रीदी, प्रेम कुलरिया, शोभा सुथार, तिलोक सुथार, गोविंद जागिड़ और रेणु जुनेजा उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन संस्थान के उपाध्यक्ष, श्री फ़ारुक अफ़रीदी ने किया और आभार ज्ञापन श्री भागचंद गुर्जर ने किया।

साभार : मीडियामिर्ची.कॉम

उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ द्वारा सम्मान समारोह

14 सितंबर, 2016 को हिंदी भवन के यशपाल सभागार में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ द्वारा सम्मान समारोह - 2015 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में माननीय श्री अभिषेक मिश्र, व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास राज्यमंत्री उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि जब तक साहित्य, कला तथा संस्कृति को उच्च स्थान नहीं दिया जाएगा तब तक वास्तविक विकास संभव नहीं होगा। उनके अनुसार साहित्य ऐसा होना चाहिए जो सही-गलत के बीच अंतर करे, समाज को दिशा दे एवं मूल्यों का संरक्षण करे। उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष, माननीय श्री उदय प्रताप सिंह ने इस अवसर पर हिंदी दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए सभी सम्मानित साहित्यकारों का अभिनंदन किया और संस्थान की गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी दी। समारोह का संचालन डॉ. अमिता दुबे ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन संस्थान के निदेशक, श्री मनीष शुक्ल ने किया।

कार्यक्रम के दौरान देश-विदेश के साहित्यकारों को सम्मानित किया गया :

'लोहिया साहित्य सम्मान'	श्री सै. असग़र वजाहत
'राजर्षि पुरुषोत्तमदास टण्डन सम्मान'	श्री एम. प्रभु (हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद)
'भारत भारती सम्मान'	डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी
'हिंदी गौरव सम्मान'	डॉ. शेरजंग गर्ग
'महात्मा गांधी साहित्य सम्मान'	श्री गंगा प्रसाद विमल
'पं. दीनदयाल उपाध्याय साहित्य सम्मान'	डॉ. रमानाथ त्रिपाठी के प्रतिनिधि डॉ. जयकृष्ण तिवारी
'अवन्तीबाई साहित्य सम्मान'	डॉ. दीन मुहम्मद 'दीन'
'साहित्य भूषण सम्मान'	श्री रमाकांत पाण्डेय 'अकेले', श्री दिनेश पालीवाल, श्री राजाराम सिंह, डॉ. महाश्वेता चतुर्वेदी, श्री संजीव, श्री दामोदर दत्त दीक्षित, श्री विजय किशोर मानव, श्री राजेन्द्र 'राजन', डॉ. सुधाकर अदीब
'लोक भूषण सम्मान'	श्री कैलाश मड़बैया
'कला भूषण सम्मान'	श्री नंद किशोर खन्ना
'विद्या भूषण सम्मान'	डॉ. रामानंद शर्मा
'विज्ञान भूषण सम्मान'	श्री काली शंकर
'पत्रकारिता भूषण सम्मान'	श्रीमती शीला झुनझुनवाला
'प्रवासी भारतीय भूषण सम्मान'	मेजर शेर बहादुर सिंह (न्यू यॉर्क)
'बाल साहित्य भारती सम्मान'	श्री बाबू लाल शर्मा 'प्रेम'
'मधुलिमये साहित्य सम्मान'	श्री योगेश मिश्र
'पं. श्रीनारायण चतुर्वेदी साहित्य सम्मान'	श्री अरविन्द तिवारी
'विधि भूषण सम्मान'	श्री शैलेन्द्र कुमार अवस्थी
'सौहार्द सम्मान'	श्री ओम प्रकाश गासो (पंजाबी), प्रो. (डॉ.) विश्वास पाटील (मराठी), श्री थिंङुजम श्याम किशोर सिंह (मणिपुरी), प्रो. स्मरप्रिया मिश्र (उड़िया), प्रो. (डॉ.) मीनाक्षी जोशी (गुजराती), श्री एस. एम. सुब्रह्मण्यम 'मोती मदरासी' (तमिल), डॉ. माधवी एस. भण्डारी (कन्नड़), डॉ. प्रत्यूष गुलेरी (डोंगरी), श्री महाराजकृष्ण शाह (कश्मीरी), श्री एहतराम इस्लाम (उर्दू), श्री जी. एल. अग्रवाल (असमिया), श्रीमती गुंटूर रजनीप्रभा (तेलुगू), डॉ. जे. रामचंद्रन नायर (मलयालम), डॉ. उषाकिरण खान (मैथिली), डॉ. प्रभुनाथ द्विवेदी (संस्कृत)
'हिंदी विदेश प्रसार सम्मान'	श्री रामदेव धुरंधर (मॉरीशस), श्री आलोक मिश्र (यू.एस.ए.)
'विश्वविद्यालयस्तरीय सम्मान'	डॉ. अनिल कुमार त्रिपाठी, प्रो. वशिष्ठ अनूप
'नामित पुरस्कार'	श्री बालकृष्ण गर्ग, श्री मदन मोहन पाण्डेय 'मनोज', डॉ. इंद्र सेंगर, डॉ. शत्रुघ्न पाण्डेय, डॉ. आलमगीर अली अहमद, श्री कुमार तरल, डॉ. गजाधर शर्मा 'गंगेश', डॉ. शोभा अग्रवाल 'चिलबिल', श्री ए. पी. मिश्र, डॉ. अजय कुमार सिन्हा, श्री रविनंदन सिंह, डॉ. टी. सी. गोयल, डॉ. अपुल गोयल, डॉ. कृश्ना रघुवंशी, श्री महेश चंद्र 'मिश्र', श्री ओम निश्चल, डॉ. जितेन्द्र कुमार सिंह 'संजय', श्री ओम धीरज, श्री शचीन्द्र भटनागर, डॉ. डी. आर. विश्वकर्मा, डॉ.चन्द्र प्रकाश शुक्ल, श्रीमती रजनी शर्मा, डॉ. अर्चना पाण्डेय, श्री महेन्द्र भीष्म, प्रो. ओम प्रकाश पाण्डेय, श्री. पन्नाला 'असर', डॉ. सत्यप्रकाश सिंह', श्रीमती शीला शर्मा, श्रीमती रजनी गुप्त, श्री अतुल चतुर्वेदी तथा श्रीमती नीरजा हेमेन्द्र
'पं. कृष्ण बिहारी वाजपेयी पुरस्कार'	कु. रागिनी राय (हाई स्कूल), कु. वंशिका मिश्र (इण्टरमीडिएट)

सभी सम्मानित विद्वान हिंदी सेवियों को हार्दिक बधाई।

साभार : यू. पी. न्यूज़

डॉ. रघुवीर चौधरी को मिला 51वां 'ज्ञानपीठ पुरस्कार'

11 जुलाई, 2016 को संसद भवन के बालयोगी सभागार, नई दिल्ली में माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने गुजरात के प्रख्यात लेखक, कवि तथा नाटककार, डॉ. रघुवीर चौधरी को 51वें 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' से सम्मानित किया। भारतीय ज्ञानपीठ की ओर से वार्षिक आधार पर दिया जानेवाला यह पुरस्कार संविधान की 8वीं अनुसूची में वर्णित 22 भारतीय भाषाओं में लेखन कार्य करनेवाले साहित्यकारों को उनके जीवन भर के साहित्यिक योगदान को देखते हुए दिया जाता है। आप आलोचक के रूप में भी विख्यात हैं तथा अन्य कई साहित्यिक विधाओं में अपनी पहचान बना चुके हैं। इसके साथ-साथ आप पत्र-पत्रिकाओं से भी स्तंभकार के तौर पर जुड़े रहे हैं। आपकी प्रसिद्ध रचनाओं में 'अमृता', 'अन्तर्वास', 'पूर्वरंग', 'वेणु वत्सला' (उपन्यास), 'तमाशा' और 'वृक्ष पतनमा' (कविता - संग्रह) प्रमुख हैं। 80 से अधिक पुस्तकें लिख चुके श्री रघुवीर चौधरी को 'साहित्य अकादमी पुरस्कार' तथा 1977 में आपकी कृति 'उप्रवास कथात्रयी' के लिए आपको 'अकादमी पुरस्कार' से भी सम्मानित किया जा चुका है।

साभार: अशोक.के.डी.पी.कॉम

प्रख्यात अभिनेता श्री आशुतोष राणा को 'सयाजीराव भाषा सम्मान'

26 सितंबर, 2016 को बैंक ऑव बड़ौदा द्वारा वार्षिक राजभाषा समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बैंक के प्रबंधक निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री पी.एस. जयकुमार ने की तथा मुख्य अतिथि के रूप में प्रख्यात अभिनेता श्री आशुतोष राणा उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंतर्गत श्री आशुतोष राणा को 'महाराजा सयाजीराव भाषा सम्मान 2016' से सम्मानित किया गया एवं बैंक द्वारा प्रकाशित हिंदी पुस्तक 'ग्रामीण विपणन एवं बैंकिंग व्यवसाय' तथा पत्रिकाओं -'अक्षय्यम्' तथा 'मुंबई भास्कर' के नवीनतम अंकों का विमोचन किया गया। श्री आशुतोष राणा ने अपने वक्तव्य में कहा कि, ***''भाषा केवल व्यवसाय या रोज़गार तक ही सीमित नहीं है बल्कि हमारी पहचान है, सभ्यता है, संस्कृति है।''*** कार्यक्रम में मोबाइल बैंकिंग संबंधी ऐप 'एम-क्लिप' की हिंदी सेवा का भी शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर एस. एन डी.टी. महिला विश्वविद्यालय के एम.ए. (हिंदी) की छात्राओं को तथा हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के अंत में कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बैंक (राजभाषा) के कार्यपालक निदेशक, श्री बी. बी. जोशी, श्री मयंक के. मेहता एवं श्री अशोक कुमार गर्ग उपस्थित थे। समारोह का संयोजन व संचालन उपमहाप्रबंधक, डॉ. जवाहर कर्नावट तथा आभार प्रदर्शन बृहन्मुंबई अंचल के महाप्रबंधक, श्री नवतेज सिंह ने किया।

साभार : दैनिक भास्कर

श्री आशीष कंधवे को लंदन में मिला 'भारत गौरव सम्मान'

2 जुलाई, 2016 को ब्रिटिश पार्लियामेंट, लंदन में संस्कृति युवा संस्थान द्वारा वार्षिक सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया जिसमें भारत के युवा कवि एवं 'आधुनिक साहित्य' के संपादक तथा विश्व हिंदी साहित्य परिषद के संस्थापक अध्यक्ष, श्री आशीष कंधवे को वैश्विक स्तर पर हिंदी साहित्य, भाषा एवं संस्कृति के प्रचार-प्रसार एवं सेवा के लिए 'भारत गौरव-2016' से अलंकृत किया गया। यह सम्मान ब्रिटेन की मंत्री श्रीमती बैरेनेस वर्मा, ब्रिटिश सांसद, डॉ. वीरेंदर शर्मा, संस्कृति युवा संस्थान के अध्यक्ष, श्री सुरेश शर्मा एवं संरक्षक, श्री हुक्म चंद गणेशिया के हाथों प्रदान किया गया। अभी तक आपके 4 काव्य - संग्रह तथा 11 संपादित पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। श्री आशीष कंधवे साहित्य एवं भाषा के चिंतक, प्रखर कवि एवं एक संवेदनशील संपादक के रूप में देश-विदेश में ख्याति प्राप्त कर चुके हैं।

श्री आशीष कंधवे की रिपोर्ट

'गोइन्का साहित्य पुरस्कार' वितरण समारोह एवं काव्य संध्या

27 अगस्त, 2016 को त्रिवेणी कला संगम सभागृह, नई दिल्ली में कमला गोइन्का फाउण्डेशन एवं व्यंग्य यात्रा के संयुक्त तत्वावधान में 'गोइन्का साहित्य पुरस्कार' वितरण समारोह एवं काव्य संध्या का आयोजन किया गया। प्रो. निर्मला जैन ने समारोह की अध्यक्षता की। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. कमल किशोर गोयनका को 'गोइन्का सारस्वत सम्मान', प्रख्यात हिंदी साहित्यकार, डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी को 'महादेवी वर्मा हिंदी साहित्य पुरस्कार' तथा कोलकाता की नामचीन महिला लेखिका डॉ. कुसुम खेमानी को 'रत्नीदेवी गोइन्का वाग्देवी पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। पुरस्कार समारोह के बाद काव्य संध्या में सुप्रसिद्ध हास्य कवियों व व्यंग्यकारों में संपत सरल, ललित लालित्य, सुमित मिश्र, दीपक सरीन, शशिकांत शशि, प्रियंका राय तथा श्याम 'हमराही' ने अपनी कविताओं से साहित्य रसिकों को मंत्रमुग्ध किया। डॉ. प्रेम जनमेजय ने पुरस्कार वितरण समारोह तथा श्री सुमित मिश्र ने काव्य संध्या का संचालन किया। श्रीमती ललिता गोइन्का ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

साभार : कमला गोइन्का फाउण्डेशन

श्रद्धांजलि

सुश्री महाश्वेता देवी

प्रसिद्ध पत्रकार, साहित्यकार, आंदोलनधर्मी तथा सामाजिक कार्यकर्ता, सुश्री महाश्वेता देवी का 28 जुलाई, 2016 को कोलकाता में 90 वर्ष की आयु में देहांत हो गया। आपका जन्म 14 जनवरी, 1926 को ढाका (अविभाजित भारत) में हुआ था। आप लेखिका और सामाजिक कार्यकर्ता, श्रीमती धारात्री देवी तथा प्रसिद्ध कवि और उपन्यासकार, श्री मनीष घटक की सुपुत्री हैं। आपने विश्वभारती विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन से अंग्रेज़ी विषय में बी.ए. तथा कोलकाता विश्वविद्यालय से एम.ए. की उपाधि प्राप्त की। उसके पश्चात आप कोलकाता विश्वविद्यालय में व्याख्याता के रूप में नियुक्त हुईं। आपने आदिवासियों के बीच रहकर काम करते हुए उनके जीवन पर लेखन कार्य किया है। 1984 में आप कोलकाता विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त हुईं। 1996 में आपको 'ज्ञानपीठ पुरस्कार', 1977 में' 'मेग्सेसे पुरस्कार', 1979 में 'साहित्य अकादमी पुरस्कार', 1986 में 'पद्मश्री' तथा 2006 में 'पद्म विभूषण' से सम्मानित किया गया। आपकी प्रमुख रचनाओं में 'अग्निगर्भ', 'अरण्येर अधिकार' (जंगल का दावेदार), 'हज़ार चौरासी की माँ', 'माहेश्वर', 'मातृछवि' आदि शामिल हैं। आपके लगभग 20 कहानी -संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं। इसके अतिरिक्त आपके 100 उपन्यास बांग्ला में प्रकाशित हो चुके हैं। आपने कई साहित्यिक पत्रिकाओं के लिए लघु-कथाएँ भी लिखीं। आपने 1956 में अपनी प्रथम गद्य रचना, 'झांसीर रानी' (झांसी की रानी), 1957 में पहले उपन्यास 'नाती', उसके बाद 'मर्डरर की माँ', 'जली थी अग्निशिखा', 'जकड़न', 'चोट्टि मुंडा और उसका तीर', 'बनिया बहू' तथा 'हीरो-एक ब्लू प्रिंट' की रचना की। 'मीलू के लिए', 'मास्टर साब' जैसी लघुकथाएँ, 'स्वाहा', 'रिपोर्टर', 'वान्टेड' जैसी कहानियाँ, 'उम्रकैद', 'अक्लांत कौरव' जैसी आत्मकथाएँ, 'कृष्ण द्वादशी', 'अमृत संचय', 'गहराती घटाएँ', 'भारत में बंधुआ मज़दूर', 'उन्तीसवीं धारा का आरोपी', 'ग्राम बांग्ला', 'आदिवासी कथा' जैसे आलेख, 'श्री श्री गणेश महिमा', 'ईंट के ऊपर ईंट' जैसे यात्रा संस्मरण तथा 'टेरोडैक्टिल', 'दौलति' जैसे नाटक आदि आपकी कृतियों में शामिल हैं। इसके अतिरिक्त आपकी रचनाओं पर फ़िल्में भी बनीं यथा - 1968 में 'संघर्ष', 1993 में 'रूदाली', 1998 में 'हज़ार चौरासी की माँ', 2006 में 'माटी माई'।

साभार : हिंदी कैचन्यूज़.कॉम, ज़ी न्यूज़ व न्यूज़ ट्रैक.कॉम

श्री प्रेम स्वरूप श्रीवास्तव

31 जुलाई, 2016 को साहित्यकार श्री प्रेम स्वरूप श्रीवास्तव का 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया। आपका जन्म 11 मार्च, 1929 को जौनपुर के खरौना गाँव में हुआ था। आप उत्तर प्रदेश के शिक्षा विभाग में विभिन्न पदों पर कार्यरत रहकर साहित्य सेवा में सहयोग देते रहे। पिछले 6 दशकों से आप प्रचुर मात्रा में साहित्य सृजन करते रहे। आपके साहित्यिक योगदान के लिए भारत सरकार सहित अनेक संस्थाओं द्वारा आपको पुरस्कृत किया गया। आपकी 50 से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। आपने कहानियों, नाटकों, लेखों, रेडियो नाटकों, रूपकों तथा बाल साहित्य की रचना भी की। 'हिंदोस्तां हमारा', 'अरुण यह मधुमय देश हमारा', 'यह धरती है बलिदान की', 'जिस देश में हमने जन्म लिया', 'मेरा देश जागे', 'अमर बलिदान', 'मदारी का खेल', 'मंदिर का कलश', 'हम सेवक आपके', 'आँखों का तारा' आदि आपकी प्रमुख कृतियाँ हैं। इसके अतिरिक्त आपने 300 से अधिक वृत्त चित्रों का लेखन कार्य किया । आपकी रचनाएँ हिंदी की चर्चित पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होती रही हैं। आपकी सेवाओं के लिए आपको भारत सरकार सहित अनेक संस्थाओं द्वारा पुरस्कृत व सम्मानित किया गया है।

साभार : सृजनगाथा

पंडित बृजदेव बेहरदर

27 जुलाई, 2016 को दक्षिण अफ़्रीका के सुप्रसिद्ध हिंदी शिक्षक, पंडित बृजदेव बेहरदर का निधन हो गया। आप डरबन में कई प्राथमिक स्कूलों के प्रधान अध्यापक रह चुके हैं। आपने भूगोल, संस्कृत तथा हिंदी में बी.ए. की उपाधि प्राप्त की। आपने अपना अध्यापन कार्य इसिपिंगो प्राथमिक स्कूल में किया। आप चैट्सवर्थ के ग्लेनोवर माध्यमिक स्कूल में अंग्रेज़ी शिक्षक के रूप में कार्यरत थे व वरिष्ठ छात्रों को हिंदी तथा संस्कृत पढ़ाते थे। आप 'हिंदवाणी' रेडियो के उद्घोषक रह चुके हैं। कई वर्षों तक आप हिंदी शिक्षा संघ के ट्रस्टी रहे। हिंदी शिक्षक के अलावा आप आर्य प्रतिनिधि सभा, दक्षिण अफ़्रीका में पुरोहित कक्षाएँ भी चलाते थे। आप हिंदी के विकास के लिए जीवनपर्यंत कार्य करते रहे। दक्षिण अफ़्रीका में हिंदी के विकास में आपके योगदान हेतु संघ द्वारा आपको 'विद्या रत्न पुरस्कार' से सम्मानित किया जा चुका है।

साभार : हिंदी खबर, हिंदी शिक्षा संघ

डॉ. प्रभाकर श्रोत्रिय

16 सितंबर, 2016 को हिंदी के प्रख्यात आलोचक तथा नाटककार, डॉ. प्रभाकर श्रोत्रिय का 77 वर्ष की आयु में देहांत हो गया। आपका जन्म 19 दिसंबर, 1938 को मध्य प्रदेश के जावरा शहर में हुआ था। आपकी आरंभिक शिक्षा संस्कृत-हिंदी पाठशाला में हुई। आपने विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन से उच्च शिक्षण करने के बाद एम.ए. की उपाधि प्राप्त की और वहीं पर प्राध्यापक नियुक्त हुए। तत्पश्चात आप भोपाल के हमीदिया कॉलेज में शिक्षक बने। बाद में आपने हिंदी में पीएचडी तथा डीलिट की। आपने हिंदी आलोचना जगत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, आलोचना के इतर भी आपने हिंदी नाटकों को भी एक नई दिशा दी। आप मध्य प्रदेश साहित्य परिषद के सचिव एवं 'साक्षात्कार' व 'अक्षरा' पत्रिकाओं के संपादक रहे हैं। इसके अलावा आप भारतीय भाषा परिषद के निदेशक एवं 'वागर्थ', 'नया ज्ञानोदय' तथा साहित्य अकादमी की पत्रिका 'समकालीन भारतीय साहित्य' के संपादक के साथ-साथ भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली के निदेशक भी रह चुके हैं। आपको 10वें विश्व हिंदी सम्मेलन के दौरान भारत सरकार द्वारा 'विश्व हिंदी सम्मान 2015' से सम्मानित किया गया । आपको 'सारस्वत सम्मान 2002', 'मिश्र मंदिर कोलकाता सम्मान 1998', 'समय शिखर सम्मान' (कान्हा लोकोत्सव, 1991), 'श्रेष्ठ कला आचार्य' (मनुवन, भोपाल, 1989), उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान द्वारा 'अखिल भारतीय आचार्य रामचंद्र शुक्ल पुरस्कार', मध्य प्रदेश साहित्य परिषद द्वारा 'आचार्य नंददुलारे वाजपेयी पुरस्कार', 'अखिल भारतीय केडिया पुरस्कार', बिहार सरकार द्वारा 'अखिल भारतीय रामवृक्ष बेनीपुरी पुरस्कार', मध्य प्रदेश के हिंदी साहित्य एवं संस्कृतिन्यास, देवरिया द्वारा 'अखिल भारतीय श्री शारदा सम्मान', माधव राव सप्रे पत्र संग्रहालय द्वारा 'रामेश्वर गुरु साहित्यिक पत्रकारिता पुरस्कार' आदि से सम्मानित किया गया है।

'सुमन : मनुष्य और सृष्टा', 'प्रसाद का साहित्य : प्रेमतात्विक दृष्टि', 'कविता की तीसरी आंख' जैसी आलोचनात्मक रचनाएँ, 'रचना एक यातना है', 'अतीत के हंस : मैथिलीशरण गुप्त', 'जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता', 'मेघदूत : एक अंतर्यात्रा', 'शमशेर बहादुर सिंह', 'मैं चलूँ कीर्ति-सी आगे-आगे' तथा 'हिंदी-कल आज और कल' जैसे कविता - संग्रह, 'हिंदी : दशा और दिशा', 'सौंदर्य का तात्पर्य', 'समय का विवेक', 'समय समाज साहित्य' जैसे निबंध तथा 'इला', 'साँच कहूँ तो', 'फिर से जहाँपनाह' जैसे नाटक आपकी प्रमुख कृतियों में शामिल हैं। आपने 'हिंदी कविता की प्रगतिशील भूमिका', 'सूरदास : भक्ति कविता का एक उत्सव', 'प्रेमचंद : आज', 'रामविलास शर्मा-व्यक्ति और कवि', 'धर्मवीर भारती : व्यक्ति और कवि', 'समय में कविता', 'भारतीय श्रेष्ठ एकांकी (दो खंड)', 'कबीर - दास : विविध आयाम', 'इक्कीसवीं शती का भविष्य', नाटक 'इला' के मराठी एवं बांग्ला अनुवाद, 'कविता की तीसरी आँख' का अंग्रेज़ी अनुवाद आपके द्वारा संपादित पुस्तकें हैं। इसके अतिरिक्त आपने महाभारत पर अत्यंत गंभीर कार्य किए हैं।

साभार : वेबदुनिया व पूर्वाभास ब्लॉग

श्री नीलाभ अश्क

23 जुलाई, 2016 को प्रसिद्ध लेखक, कवि और पत्रकार, श्री नीलाभ अश्क का 70 वर्ष की आयु में निधन हो गया। आपका जन्म 16 अगस्त, 1945 को मुंबई में हुआ था। इलाहाबाद में शिक्षा प्राप्ति के बाद आपने साहित्य-सृजन का एक लंबा रास्ता तय किया। आप हिंदी के प्रसिद्ध कहानीकार, उपन्यासकार व कवि, श्री उपेन्द्रनाथ अश्क के सुपुत्र हैं। 1980 में आप बी. बी. सी. की विदेश प्रसारण सेवा की हिंदी सर्विस में बतौर प्रोड्यूसर लंदन जाकर 4 वर्षों तक काम करते रहे। आपने राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय की त्रैमासिक पत्रिका 'नटरंग' का संपादन किया। आप अपने संस्मरणों पर आधारित ब्लॉग 'नीलाभ का मोर्चा' लिख रहे थे। आपने 'द गॉड ऑव स्मॉल थिंग्स' नामक पुस्तक का अनुवाद 'मामूली चीज़ों का देवता' शीर्षक से किया था जिसके लिए आपको अरुंधति रॉय के 'बुकर पुरस्कार' से सम्मानित किया गया था। आपकी प्रमुख कृतियों में 'अपने आप से लंबी बातचीत', 'जंगल खामोश है', 'उत्तराधिकार', 'चीज़ें उपस्थित हैं', 'शब्दों से नाता अटूट है', 'खतरा अगले मोड़ के उस तरफ़ है', 'शोक का सुख' और 'ईश्वर को मोक्ष' शामिल हैं। इसके अतिरिक्त आपने 'हिंदी साहित्य का मौखिक इतिहास' नामक पुस्तक लिखी तथा शेक्सपीयर, ब्रेख्त और लोर्का के कई नाटकों के काव्यात्मक अनुवाद के साथ-साथ लेर्मोन्तोव के उपन्यास का भी अनुवाद 'हमारे युग का एक नाटक' शीर्षक से किया। आपने शेक्सपीयर के चर्चित नाटक 'किंग लियर' का अनुवाद 'पगला राजा' शीर्षक से किया।

साभार : एन.डी.टी.वी इंडिया.कॉम व जनसत्ता.कॉम

स्वागतम्

महामहिम श्री अभय ठाकुर, भारतीय उच्चायुक्त, मॉरीशस

12 अगस्त, 2016 को महामहिम श्री अभय ठाकुर ने मॉरीशस में भारतीय उच्चायुक्त का पदभार ग्रहण किया। विश्व हिंदी सचिवालय भारत सरकार तथा मॉरीशस सरकार की द्विपक्षीय संस्था है जिसमें कार्यरत भारतीय पक्ष का नेतृत्व भारतीय उच्चायुक्त करते हैं। वे विश्व हिंदी सचिवालय की शासी परिषद तथा कार्यकारिणी बोर्ड के प्रतिनिधि सदस्य भी होते हैं। हमें पूर्ण विश्वास है कि महामहिम श्री अभय ठाकुर के आगमन से मॉरीशस और भारत के संबंध और सशक्त होंगे तथा आप विश्व हिंदी सचिवालय के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होंगे।

विश्व हिंदी सचिवालय की ओर से मॉरीशस में महामहिम श्री अभय ठाकुर का हार्दिक स्वागत है।

संपादकीय

विश्व हिंदी सचिवालय के महासचिव के रूप में 'विश्व हिंदी समाचार' का प्रस्तुत अंक आपके सामने रखते हुए अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है। अपने उत्तरदायित्वों के निर्वहन के क्रम में विश्व हिंदी परिवार से जुड़ने का इससे खूबसूरत अवसर और क्या हो सकता है? हिंदी की यह इकलौती द्विपक्षीय संस्था है जिसने हिंदी की संस्कृति को जीवंत बनाए रखने के लिए कृषि-कर्म जैसा बना दिया है जहाँ खेत की जुताई, सिंचाई एवं बीजबपन निरंतर चलता रहता है ताकि उसकी उर्वराशक्ति बनी रहे। यही जिजीविषा हम मॉरीशस की किसान-संस्कृति में भी तो देखते हैं। सचिवालय हिंदी जगत के सपनों की फ़सल तैयार करने के लिए कृतसंकल्प है। यह हिंदी की समृद्ध परम्परा तथा भाषायी और साहित्यिक विरासत की कुशल अभिव्यक्ति के साथ-साथ भौगोलिक विस्तार को नया आयाम दे रहा है तथा वैश्विक स्तर पर सांस्कृतिक संबंधों की मज़बूत कड़ी बन चिंतन तथा सृजन के समानान्तर द्वार पर दस्तक भी।

आज हिंदी वैश्वीकरण की चुनौतियों को स्वीकार करते हुए अपनी नई राहों की अन्वेषिका बनकर आत्मीय बनाने की शाश्वत प्रकृति का सदुपयोग कर विश्वास की अनंत संभावनाओं की आकाश गंगा की निर्मिति में अग्रसर है।

सूचना और प्रौद्योगिकी ने हिंदी के क्षेत्र में रोज़गार के नए अवसर दिए हैं तथा कई गवाक्ष भी खोल दिए हैं। आवश्यकता है 'कूप मंडूक' वृत्ति का त्याग और नवतकनीकी ज्ञानार्जन के द्वारा हिंदी को 'रोटी', 'रोज़गार' और 'माध्यम' की भाषा बनाना।

बदलते वैश्विक परिदृश्य में भाषा और भाव की एकात्मकता बलवती हो रही है। ऐसे में ज़रूरत इस बात की है कि मानक और मानदण्ड पुनर्निर्धारित किए जाएँ जो सर्वस्वीकृत भी हों। 'शुचिता' और 'शुद्धतावादी' सोच का निर्मोक उतार फेंकना होगा, 'ग्रहण' और 'त्याग' के विवेक को जागृत करना होगा। सद्भावना, समरसता और समन्वयात्मकता की त्रिगुणात्मिका के आईने से विश्व हिंदी को देखना होगा। मुक्तिबोध के शब्दों में, ***"अब अभिव्यक्ति के सारे खतरे उठाने होंगे। तोड़ने ही होंगे मठ और गढ़ सब। पहुँचना होगा दुर्गम पहाड़ों के उस पार।"***

डॉ. विनोद कुमार मिश्र
महासचिव

महात्मा गांधी संस्थान, मॉरीशस
'आप्रवासी साहित्य सृजन सम्मान' हेतु आवेदन आमंत्रित

महात्मा गांधी संस्थान, मॉरीशस 'आप्रवासी साहित्य सृजन सम्मान - प्रथम संस्करण' हेतु आप्रवासी देशों के नवोदित हिंदी लेखकों द्वारा आवेदन आमंत्रित करता है। वे किसी भी उम्र अथवा आप्रवासी देश के हो सकते हैं तथा उनके प्रकाशन का इतिहास 9 वर्षों से अधिक नहीं होना चाहिए। (देखें विस्तृत नियम व शर्तें)

सम्मान

विजेता को 2000 अमेरिकी डॉलर/USD राशि के साथ सम्मान पत्र भी प्रदान किया जाएगा।

आवेदन-प्रक्रिया

इच्छुक आवेदकों से निवेदन है कि :

- सम्मान योजना के लिए निर्धारित आवेदन पत्र भरकर भेजें। आवेदन पत्र संस्थान के वेबसाइट (www.mgirti.org) अथवा विश्व हिंदी सचिवालय के वेबसाइट (www.vishwahindi.com) से डाउनलोड किया जा सकता है अथवा महात्मा गांधी संस्थान के स्वागत डेस्क से प्राप्त किया जा सकता है।
- आवेदन के साथ पुस्तकाकार में प्रकाशित अपनी एक हिंदी गद्य-रचना (कथा साहित्य अथवा अन्य) की चार हार्ड प्रतियाँ और एक सॉफ़्ट कॉपी भेजें। रचना का प्रकाशन वर्ष इस विज्ञप्ति की तिथि से तीन वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिए।
- एक अतिरिक्त पृष्ठ पर अपने सभी प्रकाशनों की सूची दें जिसमें शीर्षक, विधाएँ, प्रकाशन तिथि, प्रकाशक एवं प्रकाशन स्थल का भी उल्लेख हो।

सम्मान के नियम एवं शर्तों, पात्रता के मानदण्ड और अन्य जानकारी हेतु संस्थान या सचिवालय के उपरोक्त वेबसाइट देखें अथवा संस्थान से फ़ोन +230 4032000/38, इ-मेल : directorgeneral@mgi.ac.mu अथवा डाक द्वारा संपर्क करें।

पूर्ण आवेदन पत्र, रचना की प्रतियाँ, उपरोक्त दस्तावेज़ सहित निम्नलिखित पते पर भेजें :

Director General - MGI & RTI,
Mahatma Gandhi Institute,
Moka, 80808, Mauritius

अंतिम तिथि : 31 जनवरी, 2017, अपराह्न 4 बजे।